सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 301 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 13 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

धमतरी में ट्रिपल मर्डरः पुलिस ने आरोपियों को भेजा जेल

धमतरी। धमतरी जिले में एक सनसनीखेज मामला मामला आया है, जहाँ मामूली बात पर नशे में धुत 8 युवकों ने चाकू से गोदकर तीन युवकों को मौत के घाट उतार दिया। वही इस मामले में अर्जुनी थाना पुलिस ने 3 नाबालिग सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि रायपुर निवासी मृतक आलोक सिंह ठाकुर, नितिन टांडी और सुरेश हियाल अपने दोस्तों के साथ भोयना स्थित अन्नपूर्णा ढाबा पहुँचा। जहाँ पहले से मौजूद मुख्य आरोपी गोपी दिवान अपने सात दोस्तों के साथ बिल पेमेंट को लेकर ढाबा संचालक से विवाद कर रहा था और कुर्सियों को पटक रहा था। जिस पर उन्होंने विवाद नहीं करने के लिए कहा, जिससे आरोपी आक्रोशित हो गए। इस दौरान मुख्य आरोपी गोपी दिवान ने अपने पास रखे चाकू से आलोक सिंह, नितिन और सुरेश के ऊपर ताबड़तोड़ वार कर दिया जिससे तीनो की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मृतक के दो दोस्तों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद अर्जुनी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में लेकर तीनो के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी गोपी दिवान मथुराडीह और कलेशर नेताम ग्राम कोर्रा, रणवीर साहू इर्रा, कमलेश ध्रुव आमापारा धमतरी और गौतम दिवान व तीन नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रेशने आवास यादव मोहल्ला सहित और 118 जलभराव प्रभावितों को मिलेगी राहत राशि

भिलाई। जुलाई महीने में अत्यधिक वर्षा के दौरान जलभराव से प्रभावित 62 परिवारों के आलावा लगभग 100 से अधिक परिवार और चिन्हित किए गए हैं जिन्हें 6500 और 2800 रूपये की राहत राशि प्रदान की जाएगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने जानकारी देते हुए बताया कि रेशने आवास में यादव मोहल्ला सहित अन्य लोगों का सर्वे भी जुलाई में किया गया था जिनके घरों में आंशिक रूप जलभराव की वजह से उनके घरेलू सामानों को क्षति पहुंची थी। ऐसे लगभग 118 परिवार चिन्हित कर लिए गए हैं, बहुत जल्द उन्हें भी राहत राशि का चेक दिया जाएगा। बता दें कि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने हाल ही में रेशने आवास कोसा नगर जलभराव प्रभावित 62 परिवारों को 6500-6500 रूपये का चेक दिया था। शेष लगभग 118 सूचीबद्ध प्रभावितों को 6500 और आंशिक क्षति के लिए 2800 रूपये का चेक दिया जाएगा।

सरकारी कर्मचारी घोषित करने सहित अन्य मांगों पर कराया सरकार का ध्यानाकर्षण

भिलाई। महिला एवं बाल विकास विभाग में सामान्य मानदेय पर सेवा दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने एक बार फिर आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। अपने को सरकारी कर्मचारी घोषित करने सहित अन्य मांगों को लेकर आज छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता – सहायिका कल्याण संघ के बैनर तले एक दिवसीय ध्यानाकर्षण धरना प्रदर्शन किया गया। दुर्ग शहर के हिंदी भवन के सामने आयोजित इस धरना प्रदर्शन में पूरे जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने हिस्सा लेकर आवाज बुलंद की। छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता – सहायिका कल्याण संघ ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि अगर लंबित मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की रफ्तार और तेज होगी।

सीएम साय की घोषणाः स्वच्छता में प्रथम रैंक लाने वाले निकाय को मिलेगा एक करोड़ का पुरस्कार

'स्वच्छता संगम' कार्यक्रम में सीएम साय ने किया 260 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम 'स्वच्छता संगम' बड़ी घोषणा की है। उन्होंने घोषणा की कि स्वच्छता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नगरीय निकाय को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। वहीं दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले को 50 लाख रुपए तथा तीसरा स्थान पाने वाले को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान सीएम साय ने स्वच्छता दीदियों का पैर पखारकर उनका सम्मान किया। बिलासपुर के बहतराई इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर सीएम साय ने मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में 260 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की। 'स्वच्छता संगम-2025' में विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, दिलीप लहरिया और सुशांत शुक्ला, बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर छह पुरस्कार प्राप्त होना गर्व की बात

हमारे नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर छह पुरस्कार प्राप्त होना गर्व की बात है। रायपुर नगर निगम को गार्बेज-फ्री सिटी में सेवन-स्टार रेटिंग मिली है। 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में अकेले छत्तीसगढ़ के 58 शहरों को थ्री-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। सोर्स सेग्रीगेशन और अपशिष्ट प्रबंधन में भी हमारे शहरों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं। स्वच्छता के सभी मापदंडों पर छत्तीसगढ़ में तेजी से कार्य हो रहा है। हमारा उद्देश्य है कि स्वच्छता छत्तीसगढ़ की पहचान बने।

प्रदेश के 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग में किया सुधार

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में राज्य के 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात नगरीय निकायों को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में इन नगरीय निकायों के साथ ही संभाग स्तर पर उत्कृष्ट 30 से अधिक नगरीय निकायों को भी सम्मानित किया गया।

स्वच्छता अभियान में सफाई दीदियों का योगदान अतुलनीय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'स्वच्छता संगम' के सफल आयोजन के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में हमारी सफाई दीदियों का योगदान अतुलनीय है, और आज उनके पैर पखारकर हमने उन्हें सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी। तब से हम निरंतर स्वच्छता के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए नई उपलब्धियां अर्जित कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता पाई है। यह उपलब्धियां हमें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे लागू

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न नवाचार लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर 'हर घर तिरंगा' लहराने और प्रदेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का आह्वान किया। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के इतिहास का गौरवशाली दिन है। प्रधानमंत्री ने 2014 में स्वच्छता का बीड़ा उठाया और आज यह जन आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छता में प्रगति करते हुए हमने राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है और राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

मुख्यमंत्री ने संपत्ति कर जमा करने का ऑनलाइन पोर्टल किया लॉन्च

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में तीन नगर निगम—बिरगांव, भिलाई-चरोदा और धमतरी—तथा 43 नगर पालिकाओं में ऑनलाइन संपत्ति कर जमा करने की सुविधा के लिए जीआईएस आधारित प्रॉपर्टी टैक्स लाइव पोर्टल का शुभारंभ किया। एक साथ 46 शहरों में ऑनलाइन संपत्ति कर भुगतान की यह सुविधा स्थानीय स्वशासन को आधुनिक बनाने और नागरिकों को घर बैठे सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छता संगम' में नगरीय निकायों में स्वच्छता और शहरी सौंदर्यीकरण के मानकों को ऊंचा उठाने प्रतियोगिता का शुभारंभ भी किया गया।

बिलासपुर में इन कार्यों का हुआ भूमिपूजन व लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'स्वच्छता संगम' में 260 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने बिलासपुर जिले में विभिन्न विभागों के 63 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत के 24 निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा 197 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 25 कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर संभागायुक्त सुनील जैन, पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, सभी नगरीय निकायों के महापौर, सभापति, अध्यक्ष उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियानः डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने रायपुर में अपने आवास पर तिरंगा फहराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को अपने रायपुर स्थित आवास पर तिरंगा लगाकर आजादी के अमृत महोत्सव में सहभागिता की। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और यह हम सभी को एकता, साहस और बलिदान की याद दिलाता है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें, अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाएं और इस ऐतिहासिक पहल को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा लगाना केवल देशभक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे अपने तिरंगे के साथ फोटो लेकर #HarGharTiranga अभियान का हिस्सा बनें और इसे harghartiranga.com पर साझा करें, ताकि यह संदेश जन-जन तक पहुंचे और देशभक्ति की भावना और प्रबल हो।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर को मिली आतंकी हमले की धमकी आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने तेज की धरपकड

पुरी ए.। पुरी के विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर पर अंतकी हमले की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार ओड़िया भाषा में लिखी गई यह धमकी भरा दो पोस्टर मां बुढ़ी ठाकुराणी मंदिर की दीवार पर मिला। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

दीवार पर मिले एक पोस्टर में धमकी लिखी थी, 'आतंकवादी श्रीमंदिर को ध्वस्त कर देंगे। मुझे बुलाओ, वरना विनाश हो जाएगा।' पुरी के एक निवासी ने बताया कि मंदिर की दीवार पर कई फोन नंबर लिखे हैं। साथ ही पीएम मोदी, दिल्ली जैसे शब्द भी लिखे हैं। पुलिस ने शुरू की जांच

घटनास्थल का दौरा करने वाले पुरी के एसपी पिनाक मिश्रा ने कहा कि हमने मामले का संज्ञान लिया है और इसे बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। हमें कुछ जानकारी मिली है और इस तरह की धमकी देने वालों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें बनाई जा रही हैं। एसपी ने कहा कि पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और ऐसा लगता है कि धमकी मंगलवार रात को लिखी गई थी। उन्होंने कहा कि पुलिस इस धमकी के पीछे के मकसद का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस मामले के बाद कई जगहों पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

नेशनल हाइवे पर बड़ा हादसा : खाटू श्याम मंदिर से लौट रहे 11 लोगों की दर्दनाक मौत

सभी मृतक यूपी के, चार बच्चों व 7 महिलाओं की मौत

दौसा ए.। राजस्थान के दौसा में नेशनल हाईवे पर बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कुल 11 लोगों की मौत हो गई है और 20 से अधिक घायल हैं। सभी खाटू श्याम मंदिर से लौट रहे थे और इस दौरान दौसा में हादसे का शिकार हो गए। मृतकों में 7 बच्चे व 4 महिलाएं भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बैसई थाना क्षेत्र में यह दुर्घटना हुई है। इसमें यात्रियों से भरी पिकअप यहां कंटेनर के पीछे वाले हिस्से से टकराई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि संभवतः रात में नींद की झपकी आने की वजह से यह हादसा हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा बुधवार तड़के 3:30 से 4 बजे के बीच हुआ। सवारियों से भरे पिकअप वाहन और ट्रेलर के बीच टक्कर हो गई। पिकअप वाहन और ट्रेलर की भिड़ंत के कारण हुई इस दुर्घटना में कई घायल लोगों की हालत गंभीर है, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय पुलिस और दौसा प्रशासन ने घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में भर्ती कराया है।

सभी मृतक उत्तरप्रदेश के एटा जिले के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही दौसा के कलेक्टर देवेंद्र कुमार और पुलिस अधीक्षक सागर राना भी तुरंत मौके पर पहुंच गए। कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि ये यात्री खाटू श्यामजी के दर्शन करके उत्तरप्रदेश की तरफजा रहे थे। हादसे में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। जबकि 8 लोगों को जयपुर रैफर किया गया है। इसके अलावा 4 मरीज जिला अस्पताल में इलाजरत हैं। मृतकों में 4 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल लगभग 20 में से 8 लोगों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां 4 से 5 लोगों को आईसीयू में रखा गया है। हादसे में मरने वालों में पूर्वी (3) पुत्री संजीव, प्रियंका (25) पत्नी संजीव, दक्ष (5) पुत्र जयप्रकाश, शीला पत्नी जयप्रकाश, अंशु (26) पुत्र संतोष, सीमा (23) पत्नी मनोज, मनोज (25) पुत्र लाखन, नैतिक (8) पुत्र सौरभ, प्रियंका पत्नी लाखन, रीता (26) पत्नी सौरभ, लक्ष्य (7) पुत्र सौरभ, नीरज (20) पत्नी जशवंत, सौरभ (26) पुत्र खूबकरण शामिल हैं। सौरभ (32) पुत्र ज्ञान सिंह राजपूत गंभीर घायल हुए हैं, इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया है।

सीएम भजनलाल ने दुख जताया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ट्वीट करके हादसे पर दुख जाताया है। उन्होंने कहा- दौसा में भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

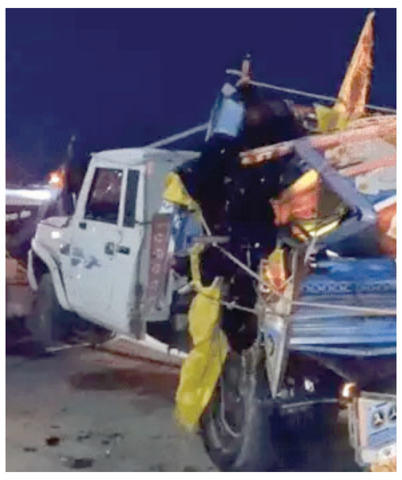

प्रकृति की सुन्दरता तनाव को कम करती है

श्रीकंचनपथ

प्रकृति सुन्दर है और यह जीवन को और भी सुन्दर बना सकती है। छत्तीसगढ़ इस मामले में काफी धनाढ्य है। यहां एक से बढ़कर एक ऐसे स्थल हैं जहां न केवल प्रकृति सोलह श्रृंगार किए खड़ी है बल्कि वहां तक पहुंचना और ठहरना दोनों बहुत बजट में संभव है। इसीलिए अब यहां प्रकृति पर्यटन के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। एक ऐसा ही आयोजन 6 एवं 7 अगस्त को गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में किया गया। नेचर हीलिंग कैंप के नाम से हुए इस आयोजन में मलेशिया से 4 मेहमान विशेष रूप से शामिल हुए। इन मेहमानों को जिले के 2 प्रमुख जलप्रपात लक्ष्मणधारा और झोझा की ट्रैकिंग कराई गई। अरपा नदी पर स्थित लक्ष्मणधारा जलप्रपात अपने पूरे शबाब पर था। मेहमानों को लमना होमस्टे में ठहराया गया। वहां न केवल उनका पारम्परिक तौर पर सम्मान किया गया बल्कि उन्होंने भी होम स्टे देने वाले परिवार के साथ मिलकर खाना बनाने में मदद की। रात को सभी ने मिलकर स्थानीय लोकनृत्य गौरा-गौरी का भी आनन्द लिया। राज्य शासन की इस पहल को नेचर हीलिंग कैम्प का नाम दिया गया है। रोजमर्रा के तनाव से छुटकारा पाने के लिए लोग सैर-सपाटे पर तो जाते हैं पर वहां से भी थके-हारे ही लौटते हैं। कभी-कभी इसका बजट बिगड़ जाता है और अतिरिक्त तनाव का कारण बनता है। इस लिहाज से नेचर हीलिंग कैम्प एक वरदान की तरह है। सादा घरेलू भोजन, प्राकृतिक स्थलों पर खूब चलना, प्रकृति की सुन्दरता का आनन्द लेना और वह भी बहुत कम बजट में तो लोग यहां से खूबसूरत यादें और अर्जित स्फूर्ति लेकर ही लौटते हैं। नेचर हीलिंग कैम्प को प्रकृति चिकित्सा शिविर भी कहते हैं। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो प्राकृतिक वातावरण में रहकर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। इसमें प्राकृतिक चिकित्सा, योग, ध्यान, और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा दिया जाता है। इनका आयोजन प्राकृतिक वातावरण में किया जाता है जहां आमतौर पर शांति होती है। ये स्थल हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों, या समुद्र तट के पास आयोजित किए जाते हैं। इसमें सूर्य की रोशनी, ताजी हवा, मिट्टी, और पानी जैसे प्राकृतिक तत्वों का उपयोग करके उपचार किया जाता है। यहां योग और ध्यान की भी व्यवस्था होती है। इससे तन-मन शांत होता है। शरीर का लचीलापन बढ़ता है। दिन भर पैदल चलने और शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के कारण रात को नींद भी अच्छी आती है। लंबी पैदल यात्रा, तैराकी, और खेल जैसी गतिविधियां शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होती हैं। शिविरों में आमतौर पर पौष्टिक और प्राकृतिक भोजन परोसा जाता है। शिविर में, समूह गतिविधियां और चर्चाएं भी होती हैं, जो सामाजिक संपर्क और आपसी सहयोग को बढ़ावा देती हैं। यह योजना न केवल प्रकृति प्रेमियों और सैर-सपाटे के इच्छुक लोगों के लिए एक वरदान है बल्कि स्थानीय आबादी को भी होम-स्टे के जरिए रोजगार भी उपलब्ध कराती है।

संपादकीय

भाजपा पर वोट चोरी का आरोप

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बाद अब विपक्ष के अन्य नेता भी खुल कर सामने आ रहे हैं। राकांपा (शरद पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने दावा किया है कि 2024 के महाराष्ट्र चुनाव से ऐन पहले दो व्यक्तियों ने दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी जिसमें 288 सीटों में से 160 में जीत की गारंटी दी थी। पवार ने यह खुलासा उस वक्त किया है जब राहुल गांधी निर्वाचन आयोग व भाजपा पर वोटचोरी का आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी इसे संविधान के खिलाफ अपराध बोल चुके हैं। उन्होंने जनता का समर्थन जुटाने के लिए वोटचोरी नाम से पोर्टल भी लॉन्च किया है। राहुल ने संदेश दिया कि वोट हमारे लोकतंत्र की नींव है जिस पर भाजपा द्वारा सुनियोजित हमला किया जा रहा है और जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। तीन राज्यों में इस कथित वोटचोरी के आरोपों पर कई दिनों से आयोग और राहुल के बीच नोक-झोंक चालू है। आयोग हस्ताक्षरित घोषणापत्र की मांग पर अड़ा है, जबकि राहुल अपने सार्वजनिक बयान को ही शपथ सरीखा बता रहे हैं। पच्चीस दलों ने राहुल का समर्थन कर राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। संभव है कि ये दल देश भर में प्रदर्शन का ऐलान भी कर दें।

> राहुल या विपक्ष के आरोपों के गलत या सही होने का खुलासा भी आयोग को सार्वजनिक तौर पर करना होगा। यह जानने का भी प्रयास करना होगा पवार से मिलने वाले वे दो लोग कौन थे, जिन्होंने जीत की गारंटी दी थी। मामला अब मात्र वाकयुद्ध का नहीं रहा। संविधान और मतदाताओं के अधिकार को बचाने के प्रति आयोग को मुस्तैद होना होगा। वह स्वायत्त संस्था है। उसे पक्षपात की राजनीति करते नहीं नजर आना चाहिए।

भारतीय चुनाव प्रणाली को लेकर इस तरह का संदेह पहले कभी नहीं देखा गया। कांग्रेस के वरिष्ठ परंतु भाजपा की पक्षधरता करने वाले नेता शशि थरूर ने भी इस मामले में राहुल का समर्थन किया है। उन्होंने आयोग से अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने शिकायत पत्र पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे के दल ने भी बेहतरीन खोजी रिपोर्ट पेश करने पर कांग्रेस की पीठ थपथपाते हुए आयोग को जवाबदेह बताया। आयोग राहुल के आरोपों को झूठा कह कर माफी मांगने को कह रहा है जबकि उसको वोट चोरी के गंभीर आरोपों के दस्तावेज की मांग कर उचित कार्रवाई करते नजर आना चाहिए। राहुल या विपक्ष के आरोपों के गलत या सही होने का खुलासा भी आयोग को सार्वजनिक तौर पर करना होगा। यह जानने का भी प्रयास करना होगा पवार से मिलने वाले वे दो लोग कौन थे, जिन्होंने जीत की गारंटी दी थी। मामला अब मात्र वाकयुद्ध का नहीं रहा। संविधान और मतदाताओं के अधिकार को बचाने के प्रति आयोग को मुस्तैद होना होगा। वह स्वायत्त संस्था है। उसे पक्षपात की राजनीति करते नहीं नजर आना चाहिए।

भारतीय यंग ब्रिगेड से सभी हतप्रभ

मनोज चतुर्वेदी

इंग्लैंड का यह समर बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट और एक उम्दा टेस्ट कप्तान के तौर पर उभरने के लिए याद किया जाएगा। एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट बाकी रहने पर भारतीय टीम 1-2 से पीछे थी, और चौथे मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड के पहली पारी में 311 की बढ़त बनाने पर किसने सोचा था कि भारतीय यंग ब्रिगेड सीरीज ड्रा कराकर लौटेगी। पर शुभमन गिल और गौतम गंभीर की इस टीम ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा ही नहीं कराया, बल्कि ओवल टेस्ट तमाम विपरीत हालात में भी जीत कर सीरीज बराबर करा कर सभी को हतप्रभ कर दिया। इस सीरीज में गिल एक ऐसे कप्तान के तौर पर उभरे हैं, जिनसे आने वाले समय में बहुत उम्मीदें लगाई जानी हैं। इस यंग ब्रिगेड ने दिग्गजों की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी ही नहीं, गेंदबाजी में भी ऐसे कारनामे किए हैं, जिनकी चर्चा आने वाले तमाम सालों तक चलनी हैं। कप्तान गिल ने अपने आलोचकों को धता बताते हुए सीरीज में सबसे ज्यादा 754 रन बनाए जिनमें एक दोहरा और तीन शतक शामिल रहे। भारत ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के 12-12 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करके दिखाया है कि आने वाले दिन उनके ही रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1955 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ और पाकिस्तान ने 1982-83 में भारत के ही खिलाफ ये शतक जमाए थे।

इस पूरी सीरीज में 21 शतक लगे और टेस्ट क्रिकेट में नई जान डालने वाली साबित हुई है यह सीरीज। भारतीय कप्तान शुभमन गिल करीब डेढ़ माह पहले इस नई जिम्मेदारी के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे, तब दिग्गज खिलाड़ियों की अनुपस्थिति की ज्यादा चर्चाएं चल रही थीं। गिल की यह यंग साइड कैसा खेलेगी का किसी को भी अंदाजा नहीं था पर इस यंग ब्रिगेड ने जिस अंदाज में बेहतरीन प्रदर्शन करके सीरीज को बराबर कराया और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड के जबड़े से जीत को निकाल कर उन्हें हराया, उससे यंग टीम का डीएनए तो पता चलता है। यह सही है कि भारत यदि आखिरी टेस्ट हार कर सीरीज हार जाता तो इस युवा टीम के साथ कोच गौतम गंभीर को भी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता।

लेकिन मोहम्मद सिराज के दिलेरी भरे प्रदर्शन ने इस टीम को हीरो बना दिया है। भारतीय गेंदबाजों ने चौथे दिन हाथ से निकलते टेस्ट के आखिरी समय में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से भारत की वापसी करा कर जो माहौल बनाया था, उसकी वजह से ही इंग्लैंड के चार विकेट रहते सिर्फ 35 रन जीत से दूर रहने पर भी भारतीय खेमे में जीत की उम्मीदें बन गई थीं। पर आखिरी दिन का खेल शुरू होने पर प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बाकी ओवर की चार गेंदों पर दो चौके खाए तो लगा कि मैच हाथ से निकलने वाला है। इस हताशा को सिराज ने अगले ओवर में स्मिथ को विकेट के पीछे कैच करा कर एक बार फिर उम्मीदों में बदल दिया। इसके बाद जिस अंपायर के बारे में माना जा रहा था कि उसके फैसले भारत के खिलाफ जा रहे हैं, उसके फैसले ने ही भारतीय उम्मीदों को नई ऊंचाइयां दीं। ओवर्टन सिर्फ अंपायर कॉल की वजह से ही एलबीडब्ल्यू हुए क्योंकि सिराज की गेंद विकेट को बस छूती हुई ही जा रही थी। हम सभी जानते हैं कि चौथे दिन हैरी ब्रूक के सिराज का कैच पकड़ कर सीमा रेखा के पार चले जाने से ही मैच भारत के हाथ से निकलता दिखा था। पर इस खिलाड़ी ने जब एटकिंसन को बोल्ड करके भारत को छह रनों से जीत दिलाई, उसके साथ ही वह भारतीय जीत का हीरो बन गया।

मोहम्मद सिराज चौथे दिन हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने की वजह से सो नहीं सके थे। इस कारण ने उन्होंने अगले दिन अल सुबह अपने मोबाइल के बॉल पेपर पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो वाली बिलीव लिखी फोटो लगाई। साथ ही मन में ठान लिया कि देश के लिए टीम को हर हाल में जिताना है। उन्होंने इसी भावना वाला प्रदर्शन करके असंभव नजर आ रही जीत दिला कर दिखा दिया कि वह जो भी ठानते हैं, उसे कर दिखाने का उनमें माद्दा भी है। सिराज ने इस सीरीज में 23 विकेट निकाल कर इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के बुमराह के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने 2021-22 की सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया था। शुभमन गिल की यह कप्तान के रूप में पहली सीरीज थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि आने वाला समय उनका ही है। वह इस सीरीज में तीन शतक और एक दोहरे शतक से सर्वाधिक 724 रन बनाने वाले बल्लेबेज बने। इस सीरीज के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई तो कुछ फैसले सराहे भी गए लेकिन इस दौरान उन्होंने जिस तरह से टीम का नेतृत्व किया और टीम में हार नहीं मानने का जज्बा बनाया उससे तो साफ है कि यह टीम रोहित और विराट के युग से बाहर निकलने में कामयाब हो गई है, और भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का माद्दा रखती है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भारत के टेस्ट जीतने पर कहा, ..हम कुछ मैच जीतेंगे, कुछ मैच हारेंगे पर आत्मसमर्पण कभी नहीं करेंगे। शाबाश लड़को।.. गौतम गंभीर के बयान से यह आसानी से समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में भारतीय टीम का रवैया क्या रहने वाला है।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग से युवाओं और महिलाओं को मिली नई दिशा

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए नया सवेरा - युवा आयोग की योजनाएँ

युवा शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

- जयंत देवांगन, संयुक्त संचालक
- विष्णु वर्मा, सहायक संचालक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य के चहुंमुखी विकास में अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में राज्य के युवाओं को इस विकास में भागीदार बनाने युवा आयोग के माध्यम से अनेक कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

युवा शक्ति-राष्ट्र की प्रगति इस विचार को साकार करने में छत्तीसगढ़ युवा आयोग एक प्रभावशाली कड़ी के रूप में उभरा है। प्रदेश के युवाओं को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आयोग द्वारा कई अभिनव योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जो न केवल उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक हैं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भागीदारी का अवसर भी दे रही हैं।

छत्तीसगढ़ युवा आयोग की स्थापना युवाओं की समस्याओं के समाधान, मार्गदर्शन और नीति निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। आयोग का युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और कौशल विकास से जोड़ना, युवाओं के मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना, युवा संवाद एवं भागीदारी के लिए मंच प्रदान करना, समाज सेवा, नेतृत्व और नवाचार को प्रोत्साहन देना मुख्य उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग ने वर्ष 2025 में युवाओं, महिलाओं और खेल जगत के उत्थान के लिए अनेक सराहनीय कार्यक्रम आयोजित किए। इन पहलों से न केवल समाज में जागरूकता का प्रसार हुआ, बल्कि सकारात्मक बदलाव और नई ऊर्जा का संचार भी हुआ है।

युवा संवाद

राज्य भर के युवाओं को एक मंच पर लाकर उनके विचारों, समस्याओं और समाधान पर चर्चा के लिए 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला, संभाग और राज्य स्तर पर आयोजित किये जाते हैं, जहाँ युवाओं को सरकारी नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है।

बस्तर संभाग के छह जिलोंकृबस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और कोण्डागांव में 6 से 9 अप्रैल 2025 के बीच ''युवा संवाद कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थी, युवा संगठन, एनएसएस व एनसीसी के कैडेट्स तथा खिलाड़ी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल किया गया।

महिला सम्मान और सशक्तिकरण

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2025 को अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी भवन में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण में योगदान को पहचान देने और उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण मंच बना। इसके अलावा 27 मई 2025 को रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में ''महिला सशक्तिकरण संवाद सम्मेलन'' का आयोजन किया गया। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर सार्थक चर्चा हुई और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

युवा प्रेरणा शिविर, उद्यमिता और सम्मान

शिविरों के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्र सेवा की भावना और टीम वर्क का विकास किया जाता है। शिविरों में अनुशासन, योग, खेलकूद और जीवन जीने की कला की सीख दी जाती है।

युवाओं को स्टार्टअप और स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता के कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, इसमें महिला उद्यमियों और ग्रामीण युवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। राज्य, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को 'युवा गौरव' और 'युवा प्रेरणा' सम्मान से नवाजा जाता है, जिससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलती है।

डिजिटल युवा सशक्तिकरण एवं नवाचार

आईटी और डिजिटल स्किल्स के प्रशिक्षण के लिए विशेष कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इससे युवा डिजिटल इंडिया मिशन का हिस्सा बन रहे हैं और रोज़गार की नई संभावनाओं से जुड़ रहे हैं।छत्तीसगढ़ युवा आयोग युवाओं को समाज सेवा से भी जोड़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, स्वच्छता अभियान, ग्राम विकास, जल संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष युवा दल गठित कर कार्य करवाया जा रहा है। इससे युवाओं में समाज के प्रति दायित्व की भावना विकसित हो रही है।

छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न/2047

विकसित भारत/2047 और 'छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न/2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ के युवा भी अपना योगदान दे सकें इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग प्रतिबद्धता से कार्यरत है।

योग और पर्यावरण-स्वास्थ्य का दोहरा लाभ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर 21 जून 2025 को रायपुर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम (पिच-02) में ''योग संगम एवं हरित योग'' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और अन्य प्रतिभागियों को योगा मेट वितरित किए गए। इस अवसर पर योग भगाए रोग योगाभ्यास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया।

खेल जागरूकता-दृष्टिबाधित बालिकाओं के लिए विशेष प्रयास

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस, 23 जून 2025 को रायपुर के एनएबी दृष्टिबाधित बालिका पुनर्वास केन्द्र ''प्रेरणा गुरूकुलम् विद्यापीठ'' में ''खेलों के प्रति जागरूकता अभियान'' आयोजित किया गया। आयोग के अध्यक्ष ने बालिकाओं को पैरा ओलंपिक में भागीदारी के लिए प्रेरित किया और उन्हें खेल सामग्री भेंट कर प्रोत्साहित किया गया।

शिव के तांडव नृत्य का सिलसिला अभी भी जारी

प्रमोद भार्गव

भगवान भोले नाथ का गुस्सा प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमि उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद से अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हर्सलि के तेलगाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। धराली में 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसे खूबसूरत धराली गांव में सैलाब जैसे नीचे उतरते दिखा, उससे लगता है कि मौतें कहीं अधिक हुई हैं। पल्रय इतनी तीव्रता से आई कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी. व्यास की परिधि में फटने के बाद अति वृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंमी. या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर उस क्षेत्र में होने वाली औसत वार्षिक वष्रा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेता है, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम अक्षम हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। ध्यान रखें कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण संबंधी कठोर नीतियों को लचीला बना कर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का कारण बन गया है।

उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवम्बर, 2000 को अस्तिव में आया था। तेरह जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसद साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नदियों के उद्गम स्थल हैं। इन नदियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक-सांस्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इस भूभाग को धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव- विविधता के पर्याय हैं। तय है कि उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से पल्रय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा बरसा रहे हैं।

उत्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांध के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थितिकी तंत्र के ताने-बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगें बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन, नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। परिणामस्वरूप इनकी जल ग्रहण क्षमता नष्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदल कर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है।

बादल फटने के केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते हैं। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू-स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैकड़ों मकानों में भूमि धसकने से बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। भू-स्खलन के अलावा इन दरारों की वजह कालिंदी और असिगंगा नदियों पर निर्माणाधीन जल विद्युत और रेल परियोजनाएं भी हैं। उत्तराखंड जब स्वंतत्र राज्य नहीं बना था, तब इस देवभूमि क्षेत्र में पेड़ काटने पर प्रतिबंध था। नदियों के तटों पर होटल नहीं बनाए जा सकते थे। निजी आवास बनाने तक पर रोक थी।

लेकिन उत्तर प्रदेश से अलग होने के साथ ही केंद्र से बेहिसाब धनराशि मिलना शुरू हो गई। इसे ठिकाने लगाने के नजरिए से स्वयंभू ठेकेदार आगे आ गए।

वर्चुअल पुस्तकालयों की मांग

- डॉ. प्रितम भी गेड़ाम

जीवन विकास का मुख्य आधार शिक्षा और उस शिक्षा की मुख्य आधारशिला पुस्तकालय होते हैं, शिक्षा को सक्षम बनाने में विकसित पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व भर में पुस्तकालयों ने बेहतर विकास किया है, अब ई-पुस्तकें और सभी प्रकार के ई-साहित्य इंटरनेट द्वारा हर जगह आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। डिजिटल व वर्चुअल पुस्तकालयों की मांग बढ़ रही है। देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान, महंगे निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों को बेहतर ढंग से विकसित कर पाठकों को सर्वश्रेष्ठ सेवा उपलब्ध कराने को तत्पर हैं। सरकार भी शिक्षा और पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता कर रही हैग फिर भी जनसंख्या और आवश्यकतानुरूप उन्नत पुस्तकालयों के मामले में हम काफी पिछड़े हुए हैं।

खरीफ फसलों में इस बार बाजरा का उत्पादन गिरेगा, किसान बेहाल-परेशान

अजय दीक्षित

भारत में खरीफ फसलों के रूप में बाजरा मूंग, उड़द, सोयाबीन, रागी,आदि मानसून सीजन में होती हैं। लेकिन इस बार अत्यधिक बारिश और बाढ़ चलते विशेषकर उत्तर भारत,में उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात,में बाजरा की फसल लगभग समाप्त हो गई है।भारत में लगभग 80 लाख हैक्टेयर भूमि में यह फसल उगाई जाती है जिसमें राजस्थान में सर्वाधिक 42 लाख हैक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 22 , मध्य प्रदेश में 9.5 और गुजरात 10 लाख हैक्टेयर भूमि

बाजरा की बोवनी होती हैं। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा,को मिलकर 118000 से अधिकतम 13०० मीट्रिक टन का उत्पादन किया जाता है।इस बार किसान 15 जून के आसपास तीव्र मानसून आने के कारण राजस्थान, गुजरात, मध्य, उत्तर प्रदेश में या तो फसल की बोवनी नहीं कर पाए या बोवनी हो भी गई तो लगातार बारिश कारण फसल गल गई। बाजरा एक ऐसी फसल है जो बहुत कम पानी में हो जाती है।चंबल क्षेत्र में कहावत है कि बाजरा के तो कान में भी पानी की कुछ बूंदे चली जाय तो फसल हो जाएगी। बाजरा उन्हीं इलाकों की फसल थी जहां सिंचाई के साधन नहीं थे। ब्रिटिश गजट में उल्लेख है कि 1912 में उत्तर भारत में बाजरा जोए, मूंग, रागी, उड़द,ग्वार, मूंगफली की खेती होती थी।1912 में जब भयंकर सूखा पड़ा तो लोगों के पास अनाज नहीं था। और 30 की आबादी इस सूखे के चलते काल के गाल में समा गई थी।इसी प्रकार 1930 का सूखा ऐसा पड़ा था कि गुजरात में अनाज के बदले अपने गहने, बच्चे बेच दिए थे जो बालिग थे।

बाजरा उत्तर भारत का ऐसा अनाज है जो साल भर चलता है

उसी के साथ दालें भी होती हैं।किसान का मुख्य भोजन इन चीजों से ही बनता है। सबलगढ़ मध्य प्रदेश के गरीब किसान मनीष रावत कहते हैं कि इस बार पशुओं के लिए चारा के भी लाले पड़े हैं। बाजरा मूंग उड़द अति वर्षा के कारण नष्ट हो गई है। बाजरा की फसल मनुष्यों से तो जुड़ी हुई है लेकिन यह पशुओं का हरा चारा भी है। सितंबर से फरवरी तक पशुओं को बाजरा की करब ही चुनी में मिलकर दी जाती है

दुधारू गायों,भैंसों को घास के साथ , बाजार के अतिशेष भी दिए जाते हैं।बाजरा मध्य जून में वो कर 80 से 90 दिन में काटा जा सकता है।यानी आषाढ़ से कुंवार माह में हो जाता है।

आजादी के बाद और कुछ इलाकों में अंग्रेजों ने भी सिंचाई परियोजना बांध निर्माण किए।मगर आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में रावी व्यास, सतलुज,सिंध,चंबल,गंगा,यमुना, गोमती, कावेरी कृष्णा गोदावरी, नर्मदा, बेतवा, केन, पार्वती, महानदी, दामोदर वैली, गांधी सागर, हीराकुंड, बांध निर्माण किए गए। इनमें से लाखों किलोमीटर नहर बनाई गई।जो भारत में हरित क्रांति का कारण बने।किसान रवि की फसल भी लेने लगे हैं। कनाडा विश्व का सबसे बड़ा कृषि हब है। लेकिन वहां की सरकार किसानों को बीज,खाद,पानी, वेयरहाउस, मुफ्त में देती है। लेकिन अपने देश में अभी वह समय नहीं आया है।

लेकिन इस बात गरीब कम रकबे वाला किसान संकट में है उसकी फसल अति वर्षा के कारण नष्ट हुई है और साथ खाद बीज भी आर्थिक चोट दे गया है यद्यपि केंद्र सरकार 80 करोड़ आबादी को खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है।किसानों की बाजिव मांगो को कोई किसान संगठन नहीं उठता क्योंकि इन मांगो में किसान माफिया को कुछ लाभ नहीं होता है वे तो बस एम एस पी बढ़ाने की मांग करते हैं ताकि किसानों से सस्ती दरों पर फसल खरीद सकें और सरकार को एम एस पी पर बेच सकें।पंजाब, हरियाणा,उत्तरी राजस्थान में यह धंधा चल रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन

दुर्ग। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, वित्तीय समावेशन विभाग के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन योजनाओं के संतृप्ति अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले की कोड़िया ग्राम पंचायत में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती रिनी अजीत ने शिविर का दौरा किया। उन्होंने बैंकों के अधिकारियों और लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन की महत्ता पर प्रकाश डाला और डिजिटल बैंकिंग में सावधानी बरतने तथा धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने खाताधारकों से समय पर केवाईसी पूर्ण करने की अपील की। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग ने बताया कि 264 खातों का पुन: केवाईसी किया गया, 12 नए जनधन खाते खोले गए, 36 खातों में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 23 खातों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 6 खातों में अटल पेंशन योजना के अंतर्गत पंजीकरण शिविर में कोड़िया और आसपास के गाँवों के नागरिकों, विशेषकर महिला समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया। आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया, जिसमें केवाईसी, बीमा, पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भर्ती, दावा आपत्ति 21 तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 में आंगनगाड़ी कार्यकर्ता सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी कार्यकताओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 कार्यालय में कार्यलयीन समय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जिस वार्ड में कार्यकर्ता के पद रिक्त है, उसी वार्ड अंतर्गत स्थानीय आवेदिकाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया था। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पदमजा सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 11 मुरूमखदान एवं वार्ड क्रमांक 29 वृंदावनगर-01 में रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। उक्त केन्द्रों में प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन पश्चात् समिति द्वारा अनंतिम मूल्यांकन पत्रक का प्रकाशन किया गया है। उक्त मूल्यांकन पर दावा आपत्ति 21 अगस्त 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 01 में कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने की विभागीय समीक्षा कहा- विभागों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाए

प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराए, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर रखें विशेष ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उपमुख्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित जिला प्रमुख अधिकारियों की विभागीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा है कि विभागों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाए। अधिकारी कारगर एवं प्रभावी नवाचार करें, नवाचार के माध्यम से विभागीय कार्य प्रदर्शित हो, विभाग को अपने कार्य बताने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के पत्रों एवं सुझावों को गंभीरता से लें। जनप्रतिनिधि लगातार जनता के बीच रहकर किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रदर्शन या व्यवहार के बारे में जानकारी देते हैं। यह जानकारी किसी कार्य, प्रक्रिया या उत्पाद के बारे में हो सकती है और इसका उद्देश्य, विकास या सुधार को बढ़ावा देना है। उन्होंने विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे भी सम्मिलित हुए।

प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्य समयावधि में पूर्ण करायें। निर्मित आवासों के अवलोकन हेतु जिला पंचायत के अधिकारियों,

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, विधायकों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संयुक्त भ्रमण ग्रामों में होना चाहिए। ताकि हितग्राहियों से मुलाकात कर पीएम आवास के संबंध में प्रतिक्रिया से अवगत हो सकें। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में कचरा निष्पादन हेतु अधिकारी जनप्रतिनिधियों के सुझाव के आधार पर प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत करें। इसी प्रकार गौ अभ्यारण्य के लिए जिले के जनप्रतिनिधि, वन एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी आपस में सुलह मसविरा कर विधायक दुर्ग एवं सांसद प्रतिनिधि द्वारा बताये स्थान के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले में सट्टा की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा कड़ाई से कार्यवाही किया जाए।

आयुष्मान वय वंदन योजना अंतर्गत 27366 पंजीयन

आयुष्मान वय वंदन योजना अंतर्गत 27366 पंजीयन हुआ है। ऑनलाईन परामर्श सत्र के माध्यम से 2148 हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। 47 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र संचालित है। स्वामित्व योजना अंतर्गत जिले में 381 ग्राम का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 82 ग्राम के 18125 अभिलेख वितरण हेतु तैयार कर लिया गया है। जिले में कुल 448 ग्रामों के कैडेस्ट्रल नक्शों का जिओ रिफ्रेंसिंग किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें से 432 ग्रामों के अविवादित बिन्दु की जानकारी आयुक्त भू-अभिलेख की ओर भेजी गई है। जिसमें से 339 ग्रामों के जिओ रिफ्रेंसिंग के कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 111 ग्रामों के जिओ रिफ्रेंसिंग हेतु शेष है। इस योजना से जमीन की सीमा संबंधित विवाद का त्रुटिपूर्ण निपटारा किया जा सकेगा एवं भूमिस्वामियों को अनावश्यक रूप से न्यायालय में वाद-विवाद की स्थिति नहीं होगी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के तहत 3854 पंजीयन हुई है।

नशे के खिलाफ समन्वित प्रयास से लाई जाए जागरुकता

प्रभारी मंत्री ने कहा कि नशे की सामाजिक बुराईयां के विरूद्ध पंचायत, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास और स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयास से जनजागरूकता लायी जाए। उन्होंने कहा कि जिले से गौवंश की तस्करी नहीं होने पाये, यह सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार घुसपैठियों पर निगरानी एवं सख्त कार्यवाही होना चाहिए। साइबर क्राइम पर नियंत्रण हेतु स्कूल कालेजों के विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा कि अविवादित राजस्व के प्रकरण पंचायत स्तर पर ही निराकृत हो।

वय वंदन योजना पर किया जाए विशेष फोकस

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए आरआई सर्किल पर राजस्व शिविर आयोजित कर प्रकरण निराकृत किया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री वय वंदना योजना पर विशेष फोकस किया जाए। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जिले के सभी किसानों को लाभान्वित किया जाए। जिले में दहलन-तिलहन फसलों की पैदावारी को बढ़ावा देने किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। पशु चिकित्सा विभाग पशुओं की त्वरित उपचार हेतु मोबाईल वैन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराये। उन्होंने निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने कहा।

जिले में 28476 आवासों का निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

अधिकारियों ने बताया कि जिले में 28476 आवास निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। हितग्राहियों द्वारा स्वप्रेरणा से बिना किसी अनुदान से 1764 नग सोखपिट का निर्माण किया गया है। निर्माणाधीन आवासों में एक पेड़ माँ के नाम पर 100411 पौधरोपण किया गया। जिले में 16 अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र सीएससी भवन स्वीकृत है, निर्माण कार्य प्रगतिरत है। जिले में 72 बर्तन बैंक स्थापित की जा चुकी है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत 17.33 लाख आयुष्मान कार्य बनाये जाना है। जिसमें से 14.97 लाख हितग्राही का पंजीयन पूर्ण किया जा चुका है।

आयुक्त ने नाली एवं रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, जल्द पूरा करने का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 02 अंतर्गत शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए रामनगर में पेवर ब्लाक, गौरव पथ स्वीकृत नाली एवं रोड निर्माण का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

आयुक्त ने वार्ड क्रं. 26 रामनगर स्कूल मैदान के डोम शेड के नीचे पूर्व से लगे पेंविंग कार्य का अवलोकन किए। रोड किनारे चल रहे पेवर ब्लाक कार्य का निरीक्षण कर शेष कार्य को पूर्ण करने निर्देशित किया गया है। गौरव पथ स्थित पुलिया के समीप नाली क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके कारण पानी निकासी में समस्या आ रही है। उक्त नाली निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति प्राप्त किया गया है, निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य कराया जाएगा। रामनगर मुक्तिधाम से लगा हुआ रोड जर्जर हो गया है। रोड निर्माण हेतु शासन से स्वीकृति मिली है आयुक्त द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया है निविदा प्रक्रिया पश्चात कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उप अभियंता अर्पित बंजारे, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान: बीएसएफ जवानों ने निकाली तिरंगा साइकिल व बाइक रैली, लोगों को किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आजादी के 79 वीं वर्षगांठ क अवसर पर पूरे देश में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में भिलाई में बीएसएफ के अधिकारियों व जवानों द्वारा 'हर घर तिरंगा अभियान-2025' के अंतर्गत 'तिरंगा साइकिल व मोटर साइकिल रैली' का आयोजन किया गया।

रिसाली स्थित सामरिक मुख्यालय, महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल (स्पेशल-ऑपरेशन) के नेतृत्व में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों सहित स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 'तिरंगा साइकिल व मोटर साइकिल रैली' सामरिक मुख्यालय से प्रारंभ होकर रिसाली चौक, डीपीएस चौक, पंथी चौक, रेल चौक, एसएसबी क्षेत्रीय मुख्यालय होते हुए पुन: सामरिक मुख्यालय परिसर में संपन्न हुई।

सीमा सुरक्षा बल 'हर घर तिरंगा अभियान-2025' नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात सभी वाहिनियों एवं नागरिकों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक के साथ मना रहा है। बल अपने अधिकार क्षेत्र के

नागरिकों को तिरंगे (राष्ट्रीय ध्वज) का वितरण कर उन्हें घर-घर तिरंगा फ्हराने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित कर रहा है।

सीमा सुरक्षा बल नक्सल विरोधी अभियान के साथ-साथ आम जनता की सुरक्षा के लिए भी संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर भिलाई स्थित सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों ने 'हर घर तिरंगा अभियान' को सफ्ल बनाने का संकल्प लिया।

स्वच्छता संगम कार्यक्रम में निगम भिलाई को मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम स्वच्छता संगम 2025 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं डिप्टी सीएम अरूण साव ने नगर निगम भिलाई को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में 7वें रैंक के साथ वाटर प्लस-प्लस, 3 स्टार रैंकिंग एवं छत्तीसगढ़ में तीसरा स्थान मिलने पर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, महापौर परिषद के सदस्य स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, बीरेन्द्र बंजारे, पीआईयू सुभम पाटनी, अभिनव ठोकने, युक्ति देवांगन सहित स्वच्छता दीदीयां उपस्थित रहे।

दुर्ग में अब तक 525.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में 1 जून 2025 से 12 अगस्त 2025 तक 525.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 684.7 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 413.1 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है।

इसके अलावा तहसील बोरी में 487.6 मिमी, तहसील अहिवारा में 605.9 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 449.8 मिमी और तहसील दुर्ग में 510.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 12 अगस्त 2025 को तहसील दुर्ग में 2.9 मिमी, तहसील धमधा में 7.2 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 2.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 7.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

युक्तियुक्तकरण से बढ़ी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता

हनोदा गांव के प्राथमिक स्कूल में दिखा सकारात्मक प्रभाव, पूरी हुई शिक्षक की कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। युक्तियुक्तकरण नीति से जहां एक ओर स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था में सुधार आया, वहीं दूसरी ओर बच्चों का भविष्य उज्जवल हो रहा है। इसका लाभ ग्रामीण अंचलों के प्राथमिक व मिडिल स्कूलों में देखने को मिल रहा है। शिक्षकों की कमी के चलते एक स्थिति ऐसी आ गई थी कि लोग सरकारी स्कूल को छोड़कर प्राईवेट स्कूल की ओर रूख बदल रहे थे।

दुर्ग जिले का हनोदा गांव के प्राथमिक स्कूल में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। जहां पहली से पांचवी तक के बच्चे अध्ययनरत है। पहले बच्चे समय पर स्कूल तो जाते थे, लेकिन शिक्षकों के कमी के कारण सभी कक्षाओं में पढ़ाई नही हो पाती थी। वर्तमान में हनोदा स्कूल के बच्चों को तीन नये शिक्षक मिलने से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे

हैं। अब प्रत्येक कक्षा के लिए एक-एक शिक्षक उपलब्ध हैं। पूर्व में शिक्षक की कमी के चलते एक शिक्षक मानदेय पर रखा गया था, जो पहली कक्षा को पूरे विषय पढ़ाती थी। युक्तियुक्तकरण नीति के तहत हनोदा स्कूल में अब तीन नए शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग शिक्षक उपलब्ध हैं, जिससे अब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

स्कूल प्रभारी सरोजनी वर्मा ने कहा कि युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिला। उन्होंने जानकारी दी कि हनोदा स्कूल के तीन छात्रों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है, जो यहां की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को दर्शाता है। स्कूल में कमजोर बच्चों के लिए अलग से विशेष कक्षाएं ली जाती है, जहां उनके बेसिक जानकारी देकर मजबूत किया जाता है। यहां के बच्चे बहुत होनहार है, उन्हें जो भी होमवर्क दिया जाता है उसे नियमित रूप से पूरा करके आते हैं। साथ ही अभिभावक भी जागरूक हैं और फीडबैक लेते हैं।

भिलाई के अनुराग एक्का ने सीबीएसई क्लस्टर एथलेटिक्स मीट में जीते दो कांस्य पदक

भिलाई। भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई क्लस्टर-2 एथलेटिक्स मीट 2025-26 में एथलेटिक्स अकादमी, भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रतिभाशाली कैडेट एवं बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के छात्र अनुराग एक्का ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए। अनुराग ने 3000 मीटर और 1500 मीटर दोनों श्रेणियों में दमदार दौड़ लगाई। प्रत्येक इवेंट में लगभग 30 प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की, जो उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। इस उपलब्धि पर उप महाप्रबंधक खेल राजेंद्र प्रसाद, परविंदर सिंह, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की प्राचार्या सुमीता सरकार, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक तथा एनआईएस प्रशिक्षक अनिरुद्ध ने अनुराग एक्का को बधाई व शुभकामनाएं दी।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

आदि कर्मयोगी अभियानः जनजातीय बहुल गांवों मेंबुनियादी सुविधाएं होंगी संतृप्त

सरल-सहज एवं मित्रवत जुड़ाव से लक्ष्य होगा पूराः अमिताभ जैन

- आदि कर्मयोगी मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण का मुख्य सचिव ने किया शुभारंभ
- राज्य के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में संचालित होगा आदि कर्मयोगी अभियान
- 1.33 लाख आदि कर्मयोगी जनजातियों के विकास में देंगे सहभागिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में आदि कर्मयोगी जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' शेष हैं, उनकी पहचान करेंगे। स्थानीय प्रशासन के माध्यम से इन कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त होगा। मुख्य सचिव अभिताभ जैन ने राजधानी रायपुर में आयोजित आदि कर्मयोगियों के लिए राज्य स्तरीय उन्नमुखीकरण एवं जिला मास्टर ट्रेनर्स के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा कि आदि कर्मयोगी जनजातियों से सहज-सरल एवं उनकी ही भाषा व बोलचाल में मित्रवत जुड़ाव से आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य पूरा होगा। ऐसे आदि कर्मयोगी साथी को भी इस अभियान में जोड़ने की भी जरूरत है, जो गोड़ी, हल्बी, भतरी, सदरी आदि बोली-भाषा का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी एक-एक आदिवासी परिवारों से मिलकर उनकी आजीविका, उनके रोजी-रोटी का साधन उनकी स्वास्थ्य, पोषण, सेरक्षित प्रसव टीकाकरण आदि विशेष विषय पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर, सरगुजा के दूरस्थ अंचलों में चर्चा के दौरान बच्चों में रूचिकर हुनर से भी जोड़ने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्हें व्यवहारिक शिक्षा के साथ ही तकनीकी शिक्षा, सहकारी साख समितियों से ऋ ण लेने तथा ऋण चुकाने की भी जानकारी देनी चाहिए।

प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत पूरे देश में आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में 20 लाख स्वयंसेवकों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 28 जिलों के 138 विकासखंडो में लगभग 1 लाख 33 हजार वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जनभागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामों में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जो न केवल मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में सहायक होंगे, बल्कि योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सतत क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में धरती आबा और पीएम-जनमन जैसे संतृप्तिमूलक अभियानों की भी शुरुआत की गई है, जिनके अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य ग्रामों एवं पीवीटीजी बस्तियों में आवास, पक्की सड़कें, जलापूर्ति, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' शेष हैं, उनकी पहचान कर और आगामी 2 अक्टूबर 2025 को ग्राम सभाओं में इस पर विशेष चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिला मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाना है। दो चरणों में संपादित होने वाले इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 11 से 14 अगस्त एवं दूसरा चरण 18 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

प्रथम चरण में आज तीन संभाग बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग के जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित हुए। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों, मास्टर टेञ्नरों एवं सुपर कोच ने अपने- अपने अनुभव साझा किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, आदिम जाति विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, टीआरआई की संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, वन विभाग के पीसीसीएफ अनिल साहू, राज्य मास्टर टेञ्नर्स अभिषेक सिंह सहित स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जिलों से 105 प्रशिक्षणार्थी शामिल थे।

'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप - दवा कीमतों में पारदर्शिता और उपभोक्ता सशक्तिकरण की दिशा में नया कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने दवा कीमतों में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है।

फ ार्मा सही दाम मोबाइल ऐप दवा कीमतों में पारदर्शिता और उपभोक्ता सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक नया कदम है। यह ऐप मरीजों, आम जनता और दवा विक्रेताओं सभी के लिए उपयोगी है। इस मोबाइल ऐप में दवा उपयोगकर्ताओं के लिए दवा का सही मूल्य जानने की सुविधा, दवाओं के विकल्पों की जानकारी, दवा का निर्माता/कंपनी विवरण देखना तथा दवाओं की अधिकतम

खुदरा मूल्य अनुशंसित मूल्य, और निर्धारित दरें देखने की सुविधाएं शामिल है। इसी तरह से दवा विक्रेताओं के लिए निर्धारित मूल्य से अधिक दर वसूलने पर कानूनी कार्रवाई से बचाव, मूल्य एवं उपलब्धता की अद्यतन जानकारी तथा ग्राहकों को सही मूल्य पर दवा उपलब्ध कराने की जानकारी शामिल है। इसके अतिरिक्त यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है, दवा खोज, शिकायत पंजीकरण एवं शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा है, एंड्रॉइड व IOS दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है तथा क्यूआर कोड स्कैन कर त्वरित डाउनलोड सुविधा भी है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) का मुख्य उद्देश्य, भारत में दवाओं की कीमतों को विनियमित करना और यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यक दवाएं जनता के लिए सस्ती और सुलभ हों। यह प्राधिकरण औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ) के तहत काम करता है और थोक दवाओं और फॉर्मूलेशन की कीमतों को तय और संशोधित करता है ।

जल-जंगल-यात्राः प्रकृति से जुड़ाव की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों को प्रकृति से जोड़ने, पर्यावरणीय जिम्मेदारी का बोध कराने और वन विभाग की योजनाओं से परिचय कराने के उद्देश्य से बलौदाबाजार वनमण्डल के अर्जुनी वन परिक्षेत्र में जल-जंगल-यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल सोनाखान के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वनमण्डलाधिकारी ने कहा कि वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार आयोजित 'जल-जंगल-यात्रा' केवल एक भ्रमण नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने और उसे समझने की एक जागरूक प्रक्रिया है। यह पहल विद्यार्थियों में संरक्षण की भावना को मजबूत करती है और उन्हें भविष्य के पर्यावरण प्रहरी बनने के लिए प्रेरित करती है। आने वाली नई पीढ़ी को प्रकृति के साथ जोड़ने के लिए नवाचार और सहभागिता बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की यह अभिनव पहल 'जल-जंगल-यात्रा' पर्यावरण शिक्षा को रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है, जिससे बच्चों में ज्ञान के साथ-साथ प्रकृति के प्रति भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा हो रहा है। यह पहल भविष्य में और भी विद्यालयों तक विस्तृत होकर एक स्थायी जागरूकता अभियान का रूप ले सकती है।

इस जागरूकता यात्रा में विद्यार्थियों को वनों के महत्व, लघु वनोपज, औषधीय पौधों की उपयोगिता तथा जल संरक्षण की व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से नालों के जल को स्टॉप डेम के माध्यम से एकत्र कर सिंचाई में उपयोग करने की विधियों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे विद्यार्थियों को जल प्रबंधन के महत्व को समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु वन अधिकारियों और अनुभवी वन कर्मियों ने विद्यार्थियों को वन्यप्राणियों के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और वन विभाग में कैरियर के बारे में भी जानकारी दी। विद्यार्थियों में जिज्ञासा के साथ जागरूकता का भाव देखते ही बना।

कार्यक्रम के अंत में वन परिक्षेत्र अधिकारी रूपेन्द्र साहू द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य के.आर. पटेल, शिक्षकगण एवं वन प्रबंधन समिति अर्जुनी के सदस्य सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय विशेष जांच एवं जन-जागरूकता अभियान 'बने खाबो - बने रहिबो'

तीन दिन में लिए गए 162 विधिक नमूने, 628 सर्विलेंस नमूने, चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला वाहन ने की प्रदेश में 1978 खाद्य नमूनो की ऑन द स्पॉट टेस्टिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा खाद्य सुरक्षा के समस्त हितधारको जैसे खाद्य पदार्थ के उत्पादकों, खाद्य पदार्थ के विनिर्माताओं, वितरकों, थोक एवं चिल्हर विक्रेताओं, खाद्य परोसने वाले संस्थानों, उपभोक्ताओं एवं जन सामान्य को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय विशेष जांच एवं जन-जागरूकता अभियान बने खाबो - बने रहिबो का शुभारंभ अपने निवास स्थान से 4 अगस्त को चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया गया।

बने खाबो - बने रहिबो अभियान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के समस्त 33 जिलों के खाद्य सुरक्षा अधिकारयों द्वारा खाद्य परोसने वाले संस्थानों / स्ट्रीट फूड वेंडर्स / रेस्टोरेंट आदि की सघन जांच की गयी। इसके साथ की प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात 08 चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला वाहन द्वारा भी रोस्टर अनुसार समस्त जिलों का दौरा कर स्थानीय हाट बाजार / स्ट्रीट फूड / रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता की जांच की गयी।

इस दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं , उपभोक्ताओं एवं जन सामान्य को खाद्य सुरक्षा के प्रति एफएस.एस.ए.आई. के नियमों एवं खाद्य सुरक्षा के साधारण सिद्वांत से अवगत कराया गया। खाद्य सुरक्षा के साधारण सिद्वांत जैसे कि भोजन को एक विशेष तापमान पर रख रखाव, खाद्य पदार्थों के पैकेजिंग एवं परोसने में अखबारी कागज का उपयोग ना करना, खाना पकाने में एक ही तेल को बार-बार गर्म कर उपयोग ना करना, फोर्टिफाईड निशान युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना आदि ऐसी कई छोटी-छोटी बातें है जिसे अपनाकर लोग बहुत से गंभीर बीमारियों से बच सकते है एवं स्वस्थ जीवन जी सकते है। जन सामान्य को सही भोजन ही स्वस्थ जीवन का आधार है की संकल्पना के बारे में बताया गया।

दीपक कुमार अग्रवाल नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ द्वारा जानकारी दी गयी थी कि, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर इस तरह की प्रदेश व्यापी अभियान चलाकर लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जायेगा एवं आवश्यक होने पर कार्यवाही भी की जायेगी।

बने खाबो - बने रहिबो अभियान के तहत 03 दिनों में ही 162 विधिक नमूने, 628 सर्विलेंस नमूने लिये गये। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला वाहन द्वारा पूरे प्रदेश में भ्रमण कर 1978 खाद्य नमूने की ऑनस्पॉट टेस्टिंग की गयी एवं अधिकाधिक जनसंख्या को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस तरह बने खाबो - बने रहिबो अभियान अपने उद्देश्यों में सफल रहा।

युक्तियुक्तकरण से कोरकोमा मिडिल स्कूल में पढ़ाई हुई नियमित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा-निर्देशन में लागू की गई शाला-शिक्षक युक्तियुक्तकरण नीति प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस नीति के तहत अतिरिक्त और रिक्त पदों का संतुलन कर शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे अब सुदूर अंचलों के विद्यार्थियों को भी नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

कोरबा जिले के वनांचल क्षेत्र कोरकोमा का शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, जहां 319 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, इसका स्पष्ट उदाहरण है। पहले यहां शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती थी और कई कालखंड खाली रह जाते थे। लेकिन युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के बाद दो शिक्षिकाओं श्रीमती रामेश्वरी रत्नाकर और श्रीमती पद्मा निषाद की पदस्थापना से अब सभी कक्षाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं, और सतत अध्यापन, अध्ययन कार्य व्यस्थित रूप से चल रही है।

प्रधानपाठक श्री गोपाल प्रसाद साव ने बताया कि दर्ज संख्या के अनुसार यहां दो शिक्षकों की कमी थी, जो अब पूरी हो गई है। नई पदस्थ शिक्षिकाओं ने आते ही तुरंत कक्षाएं लेना प्रारंभ कर दिया है। श्रीमती रत्नाकर अंग्रेजी पढ़ा रही हैं, जबकि श्रीमती निषाद सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और हिंदी विषय संभाल रही हैं।

विद्यार्थी सुनील, समीर, गुंजन, स्नेहा, राकेश और साहिल खुशी जताते हुए बताया कि अब कोई भी कालखंड खाली नहीं जाता और पढ़ाई निरंतर चल रही है। 5 से 7 किलोमीटर दूर से आने वाले बच्चों के लिए यह बदलाव विशेष रूप से राहत भरा है, क्योंकि अब उन्हें प्रत्येक विषय की नियमित शिक्षा मिल रही है।

यह बदलाव न केवल विद्यार्थियों की शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठा रहा है, बल्कि अभिभावकों का भी विद्यालय पर भरोसा बढ़ा रहा है। शासन की यह पहल शिक्षा के अधिकार को मजबूत करते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि राज्य का कोई भी बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहे।

रिजर्व बैंक के एजीएम सिंह ने दी वित्तीय अधिकारों की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । जिला प्रशासन की पहल प्रोजेक्ट पाई पाई में भारतीय रिज़र्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक अमितेश सिंह एवं प्रबंधक दिग्विजय राऊत ने अधिकारी कर्मचारी को उनके वित्तीय अधिकारों की जानकारी दी। श्री सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार के वित्तीय धोखे से बचने के लिए जागरूक रहें यदि आप किसी ऐसे धोखे के शिकार हो जाते हैं तो घबराएं नहीं और

संबंधित बैंक से संपर्क करें या उसके टोल फ्री नंबर पर बताएं साथ ही पुलिस को भी सूचना प्रदान करें। किसी भी फेक वीडियो कॉल से सचेत रहें। बैंक के वित्तीय संस्थाएं इस प्रकार के वीडियो कॉल कभी नही करते। डिजिटल अरेस्ट या अन्य वित्तीय फ्रॉड के संबंध में 1930 पर कॉल करें। उन्होंने बताया कि कोई प्रोमेशनल कॉल 140 और ट्रांजैक्शन रिलेटेड कॉल 1600 से शुरूआत होता है। इसके अलावा इससे संबंधित अन्य कॉल आने पर सचेत रहें। साथ ही स्टैण्डर्ड आरबीआई के संदेश, शिकायत निवारण प्रणाली, डिजिटल बैंकिंग, भारतीय मुद्रा नोट, सचेत पोर्टल, धोखाधड़ी से बचाव पर सत्र आयोजित किए। फेक मेसेज को पहचानने एवं फ्रॉड्यूलंट एंटिटी को पहचानने के बारे में और सचेत पोर्टल के बारे में अधिकारियों ने विस्तृत रूप से जानकारी दी । कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोजेक्टर पाई-पाई से जुडे सत्र का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

सोशल मीडिया से प्यार बना सकता है डिप्रेशन का शिकार

आज के दौर में कैमरे चेहरे को खूबसूरत दिखाने के फिल्टर्स से लैस हैं और लोगों का दिमाग खुद को अलग दिखाने के उतावलेपन से। तरह-तरह के सोशल मीडिया ऐप्स की दीवारों पर सजी तस्वीरें खुशियों से ज्यादा सनक दिखाती हैं और सच से ज्यादा झूठ खुद को अलग पेश करने की सोशल मीडिया ऐप्स की इस दौड़ में लोग बिना गिरे बस जीतने की ख्वाहिश रखते हैं। इस चक्कर में वे बाहर से भले खुद को कितना भी अच्छा दिखा लें लेकिन उनका दिमाग इसके साइड इफेक्ट्स को झेल रहा है। यूके की रॉयल सोसायटी फॉर पब्लिक हेल्थ की हालिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि सोशल मीडिया ऐप्स मेंटल हेल्थ के लिए नुकसानदायक हैं। इनमें इंस्टाग्राम का नाम सबसे ऊपर है। इस वजह से लोगों में खासकर यंग जेनरेशन में बॉडी इमेज और बॉडी कॉन्फिडेंस को लेकर डिप्रेशन देखा जा रहा है।

बॉडी शेमिंग और इंसिक्योरिटी बढ़ी

एजेंसी ने वर्ल्डवाइड 14 से 24 साल की उम्र के करीब 1500 लोगों पर रिसर्च की। उन्होंने लोगों से फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और स्नैपचैट जैसी सोशल साइट्स से रिलेटेड 14 सवाल पूछे। इस रिसर्च में यह बात सामने आई कि लोगों को इन ऐप्स को यूज करते रहने से बेचैनी, डिप्रेशन और अकेलापन जैसी परेशानियां होती हैं। वैसे तो इन सभी ऐप्स के साथ लोगों को ये परेशानियां फेस करनी पड़ती हैं। इस सबमें इंस्टाग्राम का नाम सबसे ऊपर है। इंस्टाग्राम की वजह से लड़कियों और महिलाओं में बॉडी शेमिंग और इंसिक्योरिटी की फीलिंग्स बढ़ी है। लोग परफेक्ट दिखने के लिए फिल्टर और एडिटिंग टूल्स का सहारा लेने लगे हैं। ऐसे में कई लड़कियों और महिलाओं को लगता है कि उनकी बॉडी बाकी लोगों जितनी परफेक्ट नहीं है। इस वजह से उनमें बॉडी कॉन्फिडेंस को लेकर डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

बढ़ता है डिप्रेशन

अब सोशल मीडिया पर तस्वीरों को लेकर काफी कॉम्पिटिशन बढ़ गया है। लड़के-लड़कियां सभी सोशल साइट्स पर खुद को खूबसूरत दिखाना चाहते हैं। इंस्टाग्राम ने इस क्रेजीनेस को और भी बढ़ा दिया है। हालांकि, आलम लड़कों का भी वैसा ही है, लेकिन लड़कियों के लिए ऐप में फिल्टर्स और एडिटिंग टूल्स के ऑप्शन ज्यादा होने से वो अपनी पिक्स को और भी अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

कभी-कभी यह पागलपन हमारे लिए डिप्रेशन या कॉम्प्लेक्स जैसी परेशानियां भी लेकर आता है। हम यह भी कंपेयर करते हैं कि हमारी लेटेस्ट फोटो पर पिछली फोटो से कितने लाइक्स ज्यादा आए हैं। यह हमारी सोच पर असर डालता है। कई बार अपनी घटती पॉपुलैरिटी देखकर ज्यादातर लोग कुछ देर के लिए ही सही पर डिप्रेस जरूर फील करते हैं।

खूबसूरत दिखने की चाहत करती है परेशान

इंस्टाग्राम को लेकर इस तरह की परेशानी सिर्फ यंग गर्ल्स में ही नहीं बल्कि 30 से 40 साल के बीच की महिलाओं में भी देखने को मिलती है। यह परेशानी लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा इसलिए देखने को मिलती है क्योंकि वे अपने बॉडी शेप और खूबसूरती को लेकर ज्यादा सजग रहती हैं। इंस्टाग्राम पर भी फीमेल्स के लिए फिल्टर्स और एडिटिंग के ऑप्शन मेल्स से ज्यादा हैं। इन टूल्स के जरिये फीमेल्स की फोटो सोशल साइट्स पर तो खूबसूरत नजर आती हैं लेकिन वर्चुअल और रियल लाइफ में डिफरेंस उन्हें धीरे-धीरे डिप्रेशन, बेचैनी और अकेलेपन की तरफ ले जाता है।

ऑफिस में घंटो-घंटों तक करते हैं काम तो सावधान!

क्या आप भी ऑफिस में देर तक काम करते हैं? क्या आपके काम के घंटे बढ़ गए हैं अगर हां तो आपको सावधान होने की जरूरत है। जी हां, ऐसा होने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।

क्या कहती है रिसर्च-

हाल ही में आई रिसर्च के मुताबिक, काम का समय बढ़ जाने से दिल की धड़कन पर बहुत इफेक्ट होता है। अधिक घंटों तक काम करने से दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। इस कंडीशन को आट्रियल फाइब्रलेशन के नाम से जाना जाता है। आट्रियल फाइब्रलेशन स्ट्रोक और हार्ट फेल का कारण भी बन सकता है। रिसर्च के मुताबिक, जो लोग सप्ताह में 35 से 40 घंटे के बजाय 55 घंटे काम करते हैं उनमें आट्रियल फाइब्रलेशन होने की आशंका तकरीब 40% बढ़ जाती है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट-

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर मिका किविमाकी का कहना है कि आट्रियल फाइब्रलेशन का खतरा पुरुषों में 40% और अधिक रहता है। इसके अलावा जिनकी उम्र ज्यादा है, जिन्हें डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर की समस्या है, मोटापे से ग्रसित हैं, फीजिकल एक्टिविटी नहीं करते, धूम्रपान करते हैं और दिल के रोगों से पीडित हैं, उन्हें भी आट्रियल फाइब्रलेशन होने का खतरा 40त्न अधिक रहता है। 'यूरोपियन हार्ट जनरल' में पब्लिश इस रिसर्च में कहा गया कि आट्रियल फाइब्रलेशन स्ट्रोक के विकास और स्वास्थ्य पर दूसरे प्रतिकूल असर डालता है। इसमें हार्ट फेल्योर और स्ट्रोक से जुड़े डेमेंशिया शामिल हैं।

महिलाएं क्यों करती हैं डाइटिंग? रिसर्च में हुआ खुलासा

किसी महिला की डाइटिंग करने और शरीर को स्लिम बनाने की इच्छा उसके रोमांटिक साथी की आकर्षकता पर निर्भर करती है. यह बात एक शोध में सामने आई है। शोध में पाया गया कि जिन महिलाओं को कम आर्कषक आंका गया, मगर उनके पति या साथी उनसे ज्यादा आर्कषक थे, वे महिलाएं खुद को ज्यादा आर्कषक बनाने के लिए डाइटिंग करती थीं या पतली होने के लिए विभिन्न उपाय करती थीं।

इसके विपरीत, जो महिलाएं अपने पति या साथी से ज्यादा आकर्षक थीं, उनमें डाइटिंग करने या पतली होने की इच्छा नहीं देखी गई। जहां तक पुरुषों का सवाल है, उनकी साथी या पत्नी आर्कषक हो या ना हो, इससे उनके डाइटिंग करने या खाने-पीने की इच्छा पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।

फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी की डॉक्टोरल छात्रा तानिया रेनोल्ड्स का कहना है कि शोध के निष्कर्षो से पता चलता है कि जिन महिलाओं के पति/साथी शारीरिक रूप से ज्यादा आकर्षक होते हैं, उन पर उसका नकारात्मक असर पड़ता है। खासतौर पर, जब वह महिला शारीरिक रूप से ज्यादा आकर्षक ना हो, तब ज्यादा नकारात्मक असर होता है। शोध की रिपोर्ट पत्रिका बॉडी इमे में प्रकाशित हुई है। शोध में लगी टीम ने डलास क्षेत्र के 20 से 30 साल की उम्र के बीच के 113 नवविवाहित जोड़ों का अध्ययन किया था।

हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

हेयर स्प्रे का इस्तेमाल बालों को सेट करने के लिए किया जाता है। हालांकि, कई लोग इसे सही तरीके से उपयोग नहीं करते हैं और कुछ सामान्य गलतियों के कारण उनके बालों को नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम उन गलतियों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें आपको कभी भी हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करते समय नहीं दोहराना चाहिए ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और आपको बेहतरीन परिणाम मिलें।

बालों पर सीधे हेयर स्प्रे करना

कभी भी सीधे बालों पर हेयर स्प्रे न करें। इससे आपके बाल चिपचिपे और खराब दिख सकते हैं। हेयर स्प्रे को हमेशा थोड़ी दूरी पर रखकर

इस्तेमाल करना चाहिए ताकि यह पूरे बालों पर समान रूप से फैले। इसके लिए हेयर स्प्रे को लगभग 6-8 इंच की दूरी पर रखकर स्प्रे करें। इससे आपके बाल सेट तो होंगे ही, साथ ही उन्हें चिपचिपापन भी नहीं होगा और वे अच्छे दिखेंगे।

गीले बालों पर हेयर स्प्रे लगाना भी एक बड़ी गलती होती है। इससे बाल जल्दी खराब हो सकते हैं और उनकी चमक भी चली जाती है। हमेशा सूखे बालों पर ही हेयर स्प्रे लगाना चाहिए ताकि यह सही तरीके से काम कर सके। सूखे बालों पर हेयर स्प्रे लगाने से बालों की सेटिंग अच्छी होती है और उन्हें लंबे समय तक सही रखा जा सकता है। इससे आपके बालों को बेहतर परिणाम मिलते हैं।

बहुत से लोग सोचते हैं कि ज्यादा हेयर स्प्रे लगाने से उनका हेयरस्टाइल लंबे समय तक टिकेगा, लेकिन ऐसा करना गलत है। ज्यादा हेयर स्प्रे लगाने से बाल चिपचिपे और खराब दिखते हैं, जिससे आपका लुक बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा सीमित मात्रा में ही हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें ताकि आपके बाल अच्छे दिखें और उनका स्वास्थ्य भी बना रहे। सही मात्रा में हेयर स्प्रे लगाने से आपके बाल लंबे समय तक सेट रहेंगे। सामान्य हेयर स्टाइल पर हेयर स्प्रे लगाना भी गलत हो सकता है क्योंकि इससे आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है, खासकर अगर आपने पहले ही स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया हो तो अतिरिक्त हेयर स्प्रे लगाने से बाल उलझ सकते हैं या चिपचिपे हो सकते हैं। इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए आप अपने हेयर स्टाइल को बेहतर बना सकते हैं और अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं।

जब चेहरे को दिखाना हो स्लिम तो ये मेकअप ट्रिक्स आएंगी काम

मेकअप से केवल नाक नक्श को ही नहीं उभारा जाता बल्कि यह इससे चेहरे की दिखावट में भी परिवर्तन लाया जा सकता है। आपको स्लिम दिखाने में मेकअप की बहुत बड़ी भूमिका होती है। किसी भी सेलिब्रिटी को देखिये। यहाँ मेकअप के कुछ ऐसे तरीके बताये गए हैं जिससे आपका चेहरा स्लिम दिखने लगता है।

त्वचा पर प्राइमर लगाना

मेकअप से पहले त्वचा को उजला और टाइट बनाने वाला प्राइमर लगाने से त्वचा कसी हुई दिखती है और इससे चेहरे की सूजन भी कम होती है। इससे बड़े छिद्र और रुखी त्वचा से भी राहत मिलती है।

आइब्रो सही आकार को चुनें

आपका चेहरा कितना स्लिम या कितना मोटा दिखता है इसमें आइब्रो बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आइब्रो सही मात्रा में होनी चाहिए परन्तु ये बहुत अधिक मोटी नहीं होनी चाहिए और बीच में आर्क होना चाहिए। वक्राकार आइब्रो से चेहरा उठा हुआ और पतला दिखता है। मेकअप से अपनी आइब्रो को थोडा शेड करें ताकि ये अपने प्राकृतिक रंग से थोड़े गहरे रंग की और हटकर दिखें।

आँखों के घेरों को कवर करें

आँखों के घेरों का आपके लुक पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। आँखों के नीचे के घेरों को कंसीलर से छुपायें और और पलकों को बाकी के मेकअप के साथ मिलाएं। आप आँखों के कोनों पर अन्दर और बाहर की तरफसफ़ेद आईशेडो या हाईलाइटर भी लगा सकते हैं। जब आपकी आँखे डार्क सर्कल के कारण नहीं बल्कि आँखों के मेकअप के कारण अलग दिखती हैं तो आपका चेहरा अपने आप ही स्लिम दिखने लगता है।

शिमर

इसे अपने कॉलरबोन और चीक बोन्स पर लगायें। हाईलाइटर के समान ही यह आपकी बोन संरचना को प्रतिबिंबित करता है जिससे आप स्लिम दिखती हैं।

प्ले अप आईज़

आप आँखों को जितना बढ़ा चढ़ाकर दिखाएंगी आका चेहरा उतना ही स्लिम दिखेगा। यह सच है कि जब आपकी आँखें सुंदर दिखें तो शरीर के अन्य भागों पर ध्यान नहीं जाता। आँखों को बड़ा दिखाने के लिए आईलाइनर और मस्कारा का उपयोग करें और ऐसे आईशेडो का उपयोग करें जो आपकी त्वचा और आँखों के रंग से मेल खाए। नीली आँखों पर गोल्ड या पिंक आई शैडो बहुत सुंदर दिखता है। हरी आँखों पर कॉपर या पाम शैडो अच्छा दिखता है। भूरी आँखों पर नीला, टील और बैंगनी रंग का शैडो अच्छा दिखता है।

बालों का रंग

आप अपने चेहरे के आसपास के बालों को गहरा रंग दे सकते हैं और सिर के क्राउन वाले भाग के बालों को हल्का रंग दे सकते हैं।

उजागर करें

आँखों के नीचे हल्का हाईलाइटिंग पाउडर लगाने से और नाक के नीचे उजला प्रभाव दिखाने से ब्रोंज और कांट्यूर वाला भाग अलग से दिखाई देता है। इससे चेहरे का आकार प्राकृतिक, पतला और प्रशंसनीय दिखता है।

ब्रोंज़र सही तरीके से लगायें

पतला दिखने का एक तरीका यह है कि आप ब्रोंज़ेर सही तरीके से लगायें। जॉ लाइन पर ब्रोंज़ेर की हल्की परत लगायें ताकि यह भाग थोडा गहरा दिखे। ब्रोंज़ेर को मेकअप के साथ मिलाएं ताकि ऐसा न लगे कि आपकी दाढी आ रही है। जॉ के नीचे ब्रोंज़ेर की थोड़ी गहरी परत लगायें।

गुलाबी होंठ

गहरे रंग के लिपस्टिक से आपका चेहरा भारी दिखता है। हलके गुलाबी रंग के लिपस्टिक के उपयोग से आपका चेहरा पतला दिखता है और होंठ भरे हुए दिखते हैं। न्यूड कलर्स से होंठ पतले दिखते हैं। पतला दिखने के लिए गुलाबी रंग की लिपस्टिक का उपयोग करना सबसे अच्छा है।

फैशन में दिखना चाहते हैं अलग तो ट्राई करें ये स्टाइल टिप्स

किसी का भी लुक उसकी पर्सनालिटी को बयां करता है और सामने वाला शख्स अपने मन में आपकी इमेज बना लेता है. ऐसे में हमें चाहिए कि हम हर पल रेडी फॉर रिव्यु रहें. इसलिए हम मेन्स के लिए कुछ ऐसे फैशन टिप्स बता रहें हैं जो आपको शानदार लुक तो देंगे ही साथ ही आपकी इमेज को भी अपग्रेड करेंगे.

दिखें सिंपल

अच्छी इमेज के लिए सबसे जरूरी है कि आप सिंपल दिखें. इसके लिए सबसे पहले आपको एक ऐसी वार्डरोब तैयार करनी होगी, जिसमें कपड़े ऐसे हों जो आपको कम्फर्ट फील कराएं. दूसरी ओर फैशन से अपडेट रहने का ये मतलब बिल्कुल नहीं कि आप एक रॉकस्टार की तरह दिखें. इसलिए सिंपल कपड़ों का चुनाव करें.

शॉपिंग में लेना होगा इंट्रेस्ट

आपको अगर कोई भी चीज चाहिए तो आपको उसकी बेसिक समझना होगा और उसमें इनट्रेस्ट लेना होगा. इसलिए जब भी शॉपिंग के लिए जाएं कोशिश करें उससे पहले आप को क्या लेना है इस पर आप थोड़ा होम वर्क कर लें. जिससे कपड़ों का चुनाव करते समय कंफ्युजन भी कम होगा.

शॉपिंग के लिए अकेले ना जाएं

कई बाद ऐसा होता है कि शॉपिंग में हम ऐसे कपड़े खरीद लेते हैं जो हमें तो अच्छे लगते हैं, लेकिन कई लोग उसमें कमियां निकालते हैं. इसलिए कभी भी शॉपिंग पर अकेले नहीं जाएं. इससे कपड़े सेलेक्ट करने और सही फिटिंग में मदद मिलेगी.

फिटिंग पर दे ध्यान

अगर आप जींस के शौकीन है तो भी आपको अपनी फिटिंग पर ध्यान देना होगा. शर्ट को दबा कर पहनतें है तो ख्याल रखें कि उस में स्ट्रेच न आये और कंधे पर खास कर शर्ट सही से फिटिड हो.

कैजुअल करें ट्राई

ऐसा सोचना कि कैजुअल एक बोरिंग च्वाइस है तो ये धारणा गलत है. आप कैजुअल में कलर्ड शर्ट ट्राई कर सकतें है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से घर-घर पहुँची ग्रीन एनर्जी

सरगांव के रंजीत मंडल बने सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर, चार माह से बिजली बिल शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन और आम नागरिकों को सस्ती व सुलभ बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में भी लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम सरगांव निवासी रंजीत मंडल इस योजना का प्रेरक उदाहरण हैं।

रंजीत मंडल ने बताया कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 2500 रूपए आता था। मार्च 2025 में उन्होंने योजना के तहत अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम लगाया। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 रूपए और राज्य सरकार से 30,000 रूपए कुल 1,08,000 रूपए की सब्सिडी मिली। नतीजतन पिछले चार महीनों से उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है।

अतिरिक्त बिजली से होगी आमदनी

रंजीत मंडल के सोलर सिस्टम से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जाती है, जिसके बदले उन्हें प्रति यूनिट भुगतान मिलेगा। यह व्यवस्था न केवल घरेलू खर्च में बचत कर रही है, बल्कि अतिरिक्त आय का भी साधन बन रही है। ग्रामीण परिवारों के लिए यह योजना आर्थिक बदलाव का माध्यम बन रही है। योजना के तहत 3 किलोवाट तक के सोलर प्लांट पर 60 प्रतिशत और 3 से 10 किलोवाट तक के प्लांट पर 40 प्रतिशत की केंद्र की ओर से सब्सिडी दी जाती है। इसके साथ राज्य सरकार भी विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे सोलर पैनल की लागत में भारी कमी आती है और आम नागरिक इसे आसानी से स्थापित कर पा रहे हैं।

आवेदन प्रक्रिया

योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक उपभोक्ताओं को राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के दौरान बिजली वितरण कंपनी द्वारा चयन किया जाता है। पोर्टल पर उपभोक्ताओं को उपयुक्त सिस्टम आकार, लाभ कैलकुलेटर, विक्रेता रेटिंग आदि की जानकारी मिलती है। इसके बाद उपभोक्ता अपनी पसंद के अनुसार रूफ्टॉप सोलर इकाई और विक्रेता का चयन कर सकते हैं।

पीएम सूर्य घर से रोशन हो रहा अकत राम का घर

रायपुर। शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अब ग्रामीण अंचलों में भी आमजनों के जीवन में आशा की किरण बन रही है। इसी क्रम में विकासखण्ड लोरमी के ग्राम नवागांव वेंकट निवासी अकत राम ध्रुव ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया है। अब वह हर महीने बिजली बिल के बोझ से मुक्त होकर, अपनी ही सौर ऊर्जा से अपने घर की बिजली जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

अकत राम ध्रुव ने बताया कि पहले उनके घर में बिजली की आपूर्ति अनियमित रहती थी और बिजली बिल भी अधिक आता था, लेकिन जब उन्हें पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत आवेदन किया। योजना के तहत उन्हें सब्सिडी पर सोलर पैनल मिले और कुछ ही दिनों में उनके घर की छत पर सिस्टम इंस्टॉल कर दिया गया। अब उनके घर में नियमित रूप से बिजली रहती है और उन्हें बिल भी नहीं देना पड़ता, बल्कि आने वाले दिनों में वे अतिरिक्त बिजली को विद्युत विभाग को बेचकर आय अर्जित करने की भी योजना बना रहे हैं।

अकतराम ध्रुव कहा कि इस योजना से उन्हें आर्थिक और मानसिक राहत मिली है। अब वे खेती के साथ-साथ घरेलू जरूरतों में भी सौर ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। ग्राम पंचायत नवागांव वेंकट के सरपंच ने भी कहा कि अकत राम ध्रुव जैसे हितग्राहियों की सफलता गांव के अन्य लोगों को भी प्रेरणा दे रही है। गांव में अब अन्य लोग भी पीएम सूर्य घर योजना के लिए आवेदन करने आगे आ रहे हैं।

क्रेड़ा विभाग के अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के लिए केन्द्र के साथ राज्य सरकार भी सब्सिडी प्रदान कर रही है। छत पर 3 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसके साथ ही आसान किश्तों में बैंक फायनेंस भी उपलब्ध है। प्रदेश में अब तक सैकड़ों लोगों ने इस योजना का लाभ लिया है और गांवों में इस योजना का लाभ लेने जागरूकता लगातार बढ़ रही है। इस योजना से पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक बचत और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को एक साथ बढ़ावा मिल रहा है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः प्रदीप पटेल के छत पर हर महीने बन रही 350 से 400 यूनिट बिजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से समान्य नागरिक भी अब बिजली उत्पादक बनते जा रहें है। अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर पावर प्लांट लगाने से लोगों की बिजली की समस्या का समाधान तो हो ही रहा है, साथ ही उपयोग के बाद बची हुई बिजली को बेचकर उन्हें अच्छा-खासा फायदा भी हो रहा है।

रायगढ़ के सावित्री नगर में रहने वाले श्री प्रदीप पटेल भी ऐसे ही एक बिजली उत्पादक बन गये है। श्री प्रदीप पटेल ने अपने घर पर 3 किलोवॉट का सौर पैनल स्थापित कर बिजली बिल से राहत पाई है। यह पैनल सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लगाया गया है। इसमें उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 रुपए और राज्य सरकार से 30,000 रुपए की मिलाकर कुल एक लाख आठ हजार रूपए की सब्सिडी मिली है। आवेदन करने के मात्र 10 दिन के भीतर ही सब्सिडी की राशि उनके खाते में जमा हो गई। श्री पटेल के यहां प्रतिमाह 350-400 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। उनका औसत मासिक खपत 500 यूनिट है, जिससे उन्हें केवल 100-150 यूनिट का ही बिल चुकाना पड़ता है। उन्होंने योजना की सराहना करते हुए अन्य नागरिकों से भी इसका लाभ उठाने की अपील की और शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रायगढ़ जिले में अब तक 197 से अधिक घरों में सौर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित हो चुके हैं। इनसे सैकड़ों परिवारों को बिजली बिल से मुक्ति मिली है और वे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। स्थापित सोलर रूफ्टॉप सिस्टम से प्रत्येक घर को प्रतिमाह औसतन 3,000 रुपए से 5,000 रुपए की सीधी बचत हो रही है। योजना से न केवल आर्थिक लाभ हो रहा है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित 1 किलोवॉट प्लांट में औसतन 120 यूनिट प्रतिमाह माह उत्पादन होता है। इसने 30,000 रुपए सब्सिडी केंद्र से और 15,000 रुपए राज्य से प्रदाय किया जाता है। इसी तरह 2 किलोवॉट प्लांट में औसतन 240 यूनिट प्रतिमाह उत्पादन और सब्सिडी केंद्र से 60,000 रुपए और राज्य से 30,000 रुपए प्रदाय किया जाता है। 3 किलोवॉट प्लांट में औसतन 360 यूनिट प्रतिमाह माह उत्पादन एवं केंद्र से 78,000 रुपए और राज्य से 30,000 रुपए प्रदाय किया जाता है। उपभोक्ता को शेष राशि स्वयं वहन करनी होती है, जो ऋण सुविधा के माध्यम से भी उपलब्ध है।

योजना का लाभ पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत दिया जा रहा है। उपभोक्ता https//pmsuryaghar.gov.in/ पोर्टल, पीएम सूर्यघर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप या टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं। साथ ही नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय में संपर्क भी कर सकते हैं। उपभोक्ता सौर प्लांट स्थापना हेतु वेंडर का चयन स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं।

हर घर तिरंगा अभियान में गूंजा देशभक्ति का संदेश बिहान दीदियों ने निकाली तिरंगा रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी की 79वीं वर्षगांठ एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में हर घर तिरंगा अभियान का उत्साहपूर्वक आयोजन हो रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में 2 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों की बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाएं भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

सक्ती जिले में कलेक्टर अमृत विकास तोपनो एवं जिला पंचायत सीईओ वासु जैन के आह्वान पर बिहान समूह की दीदियों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। जिले के सक्ती ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत जेठा में महिलाओं ने तिरंगा रैली निकालकर लोगों को अभियान में शामिल होने का संदेश दिया। दीदियों ने कहा कि यह अभियान केवल ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि देश प्रेम, राष्ट्रीय गौरव और नागरिक जिम्मेदारी की

भावना को मजबूत करने का एक माध्यम है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर निकाली गई इस रैली में हर घर तिरंगा द - गर्व से लहराए का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

बिहान समूह की महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को प्रेरित करेंगी, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय पर्व में भाग लेकर तिरंगा फहराने की परंपरा को जन-आंदोलन का रूप दें। उनके अनुसार तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी आजादी और बलिदान की अमूल्य धरोहर है, जिसे सम्मान और गर्व के साथ हर घर पर फहराना चाहिए।

महतारी वंदन योजना बनी ग्रामीण महिलाओं का सहारा 18 किश्तों से श्रीपती नाग को मिली आर्थिक मजबूती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की महिलाओं के जीवन में स्थायी आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का आधार बन चुकी है।

योजना के अंतर्गत 1 मार्च 2024 से अब तक प्रदेश की 69.19 लाख से अधिक पात्र विवाहित महिलाओं को कुल 11,728 करोड़ रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा की गई है। प्रत्येक महिला को प्रति माह 1,000 रुपये की राशि बिना किसी रुकावट के दी जा रही है। प्रदेश के सभी 33 जिलों में इस योजना का लाभ समान रूप से पहुंच रहा है, जिसमें सबसे अधिक लाभार्थी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और जांजगीर-चांपा जिलों में हैं। बलरामपुर जिले के विकासखंड सुर्रा गांव की श्रीपती नाग इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं। पहले खेती के लिए खाद-बीज की व्यवस्था में उन्हें और उनके पति को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। कई बार मौसम अनुकूल होने के बावजूद पैसों की कमी से समय पर बुआई नहीं हो पाती थी। बच्चों की जरूरतें टालकर खेती में निवेश करना उनकी मजबूरी बन जाता था। महतारी वंदन योजना से जुड़ने के बाद श्रीपती नाग को अब तक 18 किश्तों में कुल 18,000 रुपये मिल चुके हैं। इस बार उन्होंने पूरी राशि का उपयोग धान की फसल की बुआई में किया, जिससे उन्हें उधार लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी। समय पर बुआई और पर्याप्त कृषि सामग्री उपलब्ध होने से अब उन्हें बेहतर पैदावार की उम्मीद है। श्रीपती नाग ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार जताते हुए कहा, महतारी वंदन योजना ने हमें केवल आर्थिक सहारा ही नहीं दिया, बल्कि मेहनत का बेहतर फल मिलने का विश्वास भी दिलाया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के साथ-साथ उन्हें परिवार और समाज में निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना है।

छत पर सजे सूरज के घर से चमका जीवनः बचत की खुशी, पर्यावरण की रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अब कोरबा जिले के हर मोहल्ले और बस्ती तक पहुँच रहा है। इस योजना ने न केवल लोगों के बिजली बिलों में भारी बचत कराई है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण में भी अहम योगदान दिया है। कोरबा जिले के नगरीय क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादर खुर्द निवासी श्री शंकर पुरी जिन्होंने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा का 'सूर्यघर' स्थापित कर जीवन में नई ऊर्जा भर दी है।

शंकर पुरी, जो अपने परिवार के साथ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रह रहे हैं, हमेशा से बिजली बिल के खर्च और बिजली चले जाने की समस्या से चिंतित थे। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने बिना देर किए योजना का लाभ उठाने का निर्णय लिया। योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप पैनल स्थापित किया। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि लाभार्थियों को केंद्र सरकार की ओर से सीधा अनुदान (सब्सिडी) प्रदान किया जाता है, जिससे प्रारंभिक निवेश का बोझ काफी कम हो जाता है। शंकर पुरी को भी इस योजना के अंतर्गत रूपये 78 हजार की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे उन्हें सोलर पैनल स्थापना के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा कवर करने में मदद मिली। राज्य सरकार द्वारा भी शंकर पुरी को 30 हजार रूपए का अनुदान जल्द ही दिया जायेगा।

सोलर पैनल लगने के बाद से पुरी को हर महीने बिजली बिल में बचत हो रही है। उनका कहना है कि यह बचत साल भर में एक बड़ी राशि बन जाती है, जिसे वे परिवार की अन्य आवश्यकताओं और बच्चों पर खर्च कर पा रहे हैं। साथ ही, यह प्रणाली पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है।

सौर ऊर्जा के उपयोग से सालाना लगभग 3.5 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। श्री पुरी बताते हैं कि उन्हें यह जानकर गर्व होता है कि उनका छोटा-सा प्रयास भी जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने बताया योजना की प्रक्रिया बेहद पारदर्शी और सरल थी।

अपने अनुभव को साझा करते हुए पुरी ने योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा - मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ अवश्य लें। इससे न केवल आर्थिक बचत होती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित होता है। प्रारंभिक लागत को लेकर डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी और लंबी अवधि की बचत इसे एक लाभकारी निवेश बनाती है।

प्रोजक्ट पाई-पाई : रिजर्व बैंक के एजीएम सिंह ने दी वित्तीय अधिकारों की जानकारी

रायपुर। जिला प्रशासन की पहल प्रोजेक्ट पाई पाई में आज भारतीय रिज़र्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक अमितेश सिंह एवं प्रबंधक दिग्विजय राऊत ने अधिकारी कर्मचारी को उनके वित्तीय अधिकारों की जानकारी दी।

सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार के वित्तीय धोखे से बचने के लिए जागरूक रहें यदि आप किसी ऐसे धोखे के शिकार हो जाते हैं तो घबराएं नहीं और संबंधित बैंक से संपर्क करें या उसके टोल फ्री नंबर पर बताएं साथ ही पुलिस को भी सूचना प्रदान करें। किसी भी फेक वीडियो कॉल से सचेत रहें। बैंक के वित्तीय संस्थाएं इस प्रकार के वीडियो कॉल कभी नही करते। डिजिटल अरेस्ट या अन्य वित्तीय फ्रॉड के संबंध में 1930 पर कॉल करें।

उन्होंने बताया कि कोई प्रोमेशनल कॉल 140 और ट्रांजैक्शन रिलेटेड कॉल 1600 से शुरूआत होता है। इसके अलावा इससे संबंधित अन्य कॉल आने पर सचेत रहें। साथ ही स्टैण्डर्ड आरबीआई के संदेश, शिकायत निवारण प्रणाली, डिजिटल बैंकिंग, भारतीय मुद्रा नोट, सचेत पोर्टल, धोखाधड़ी से बचाव पर सत्र आयोजित किए। फेक मेसेज को पहचानने एवं फ्रॅाड्यूलंट एंटिटी को पहचानने के बारे में और सचेत पोर्टल के बारे में अधिकारियों ने विस्तृत रूप से जानकारी दी । कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोजेक्टर पाई-पाई से जुडे सत्र का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ 2 युवक गिरफ्तार

बीजापुर। एनडीपीएस एक्ट के तहत् कार्यवाही कर माननीय विशेष न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। थाना भोपालपटनम् की कार्यवाही। मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए एक काले रंग के पल्सर में दो संदिग्ध व्यक्तियों के पास से एक काले रंग के बैग में प्रतिबंधित नशीली दवाईयां, स्वापक औषधि मैग्नाटस टी सीरप, अल्प्राजोलेम टेबलेट, पैवीयन स्पासप्लस टेबलेट परिवहन करते हुए बरामद किया गया। पूछताछ करने पर तेलंगाना एटुनगरम से प्रतिबंधित दवाईयां क्रय कर परिवहन करना बताये। आरोपियों से प्रतिबंधित दवाईयों के कब्जे में रखने एवं परिवहन करने के सबंध में दस्तावेज मांगे गये, परंतु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया। गवाहों के समक्ष विधि अनुसार बरामदगी पंचनामा तैयार किया गया एवं बरामद नशीली दवाईयों को सुरक्षित सीलबंद किया गया। दोनो आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय विशेष न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया है।

पुलिस एवं परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से की स्कूली बसों की जांच

दुर्ग। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं अति. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आनंद शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस, परिवहन निरीक्षक विष्णु ठाकुर, परिवहन एवं यातायात स्टॉफद्वारा दिनांक 11.08.2025 एवं 12.08.2025 को शहर के नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी, वेसलियन स्कूल हिन्दी एवं इंग्लिश माध्यम, नीरज पैरेन्ट्स प्राईड स्कूल, संस्कार सिटी स्कूल, युगान्तर पब्लिक स्कूल, रॉयल किड्स कॉन्वेंट, संस्कार सिटी स्कूल एवं गायत्री विद्यापीठ स्कूल के बसों का माननीय सुप्रीम कोर्ट के 16 बिन्दुओं के निर्देशानुसार पालकों की उपस्थिति में 83 स्कूली बसों को चेक किया गया साथ ही जिला चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. भानूप्रिया चौधरी नेत्र रोग विशेषज्ञ, लोकेश सेनवानी नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा बस चालकों एवं परिचालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच किया गया। इसी प्रकार दिनांक 13.08.2025 को नीरज पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, अजीज पब्लिक स्कूल एंव गुरूनानक स्कूल के स्कूल बसों का भौतिक सत्यापन किया जाना है।

जुआ खेलते नाबालिग समेत पांच जुआरी पकड़ाये

दुर्ग। जिले की जामुल पुलिस ने आम्रपाली वनांचल सिटी के पीछे जुआ खेल रहे एक नाबालिग समेत 5 जुआरियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 14700 रूपये एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11.08.2025 के शाम करीबन 4 बजे मुखबीर द्वारा सूचना मिला कि आम्रपाली वनांचल सिटी के पीछे आम जगह 32-एकड़ भिलाई में कुछ व्यक्तियो द्वारा रूपये पैसे का दाव लगाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे है। सूचना पर जामुल पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल टीम गठन कर अलग-अलग दिशाओं से पुलिस तैनात कर मौके पर रेड कार्यवाही किया।

प्रेमी को बाईक दिलाने प्रेमिका बनी चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले के चौकी हल्बा, थाना नरहरपुर क्षेत्र में एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी की बाईक के शौक का पूरा करने के लिए प्रेमी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस ने 48 घण्टे के अंदर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और चोरी के नगदी समेत सोने चांदी के आभूषण कुल कीमती लगभग 02 लाख रूपये जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 09.08.2025 को प्रार्थी कन्हैया पटेल चौकी हल्बा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 08.08.2025 के 1 बजे मैं मेरे घर डूमरपानी से बाजार में सब्जी बेचने गया था और वापस रात करीबन 8 बजे घर आया तो देखा कि घर में मेरे कमरे का ताला टूटा हुआ था घर का समान इधर-उधर बिखरा पड़ा था कमरे के अंदर जाकर देखा तो मेरे कमरे की 02 पेटियॉ खुली हुई थी पेटीयों में रखे नगदी रकम और 01 नग सोने का मंगल सूत्र, 01 नग सोने का मराठी माला, 01 जोड़ी सोने का कान का टॉप्स, 01 नग चॉदी का करधनी, 01 जोड़ी चांदी का पायल नहीं था कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है, की रिपोर्ट पर धारा 305(ए), 331(3) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उमनि. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई.के.ऐलिसेला के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी अविनाश ठाकुर के पर्यवेक्षण में चौकी प्रभारी निरीक्षक मालिक राम केंवट के नेतृत्व में टीम गठित कर अज्ञात आरोपी चोर का पता तलाश किया गया पता तलाश के दौरान सूचना मिला कि करूणा पटेल और ताम्रध्वज विश्वकर्मा उक्त दिनांक घटना के समय संदिग्ध अवस्था में गांव में घुम रहे थे, कि सूचना पर उक्त महिला और पुरूष को पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर करूणा पटेल ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अपने प्रेमी ताम्रध्वज विश्वकर्मा को मोटर सायकल खरीदने हेतु पैसे की जरूरत होने पर दोनों मिलकर अपने परिचित के घर पर चोरी करने की योजना बनायी। घटना दिनांक को करीबन 02 बजे आरोपिया प्रार्थी के घर चोरी के लिए घुसी जिस दौरान आरोपी ताम्रध्वज विश्वकर्मा बाहर से निगरानी कर रहा था। आरोपिया ने प्रार्थी के घर में रखे बसूला से कमरे का ताला तोड़ी और कमरे के अंदर गयी जहॉ पर कमरे में दो पेटियॉ थी जिसे तोड़कर नगद पैसा और जेवर को चोरी करके घर से बाहर निकल गयी और अपने प्रेमी ताम्रध्वज विश्वकर्मा को गाड़ी खरीदने के लिए नगद रकम को दे दी और जेवर को अपने घर में ले गयी थी। पुलिस द्वारा चोरी का रकम 95,000 को ताम्रध्वज विश्वकर्मा के घर से और 01 नग सोने का मंगल सूत्र, 01 नग सोने का मराठी माला, 01 जोड़ी सोने कान का टॉप्स, 01 नग चॉदी का करधनी, 01 जोड़ी चांदी का पायल करूणा पटेल के घर से इस प्रकार सम्पूर्ण चोरी का मसरूका कीमत लगभग 02 लाख रूपये जप्त कर आरोपिया कुमारी करूणा पटेल पिता राजेश पटेल उम्र 22 वर्ष जाति मरार साकिन डूमरपानी चौकी हल्बा और आरोपी ताम्रध्वज विष्वकर्मा पिता भागवत विष्वकर्ता उम्र 24 वर्ष जाति लोहार साकिन डूमरपानी चौकी हल्बा थाना नरहरपुर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु पेश किया जा रहा है।

पुलिस अधिक्षक ने ली झांकी समितियों व साउंड सिस्टम संचालकों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव की उपस्थिति में गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में झांकी समितियों व साउंड सिस्टम संचालकों की बैठक ली गई। बैठक में झांकी निकलाने का रूट चार्ट व पांडाल व्यवस्था पर चर्चा कर सहमति बनाई गई। साथ ही झांकी, व साउंड सिस्टम संचालन के लिये अनुविभागीय दण्डाधिकारी से परमिशन लेने निर्देश दिये गये। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगरवासियो द्वारा चौक चौराहो में गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित किया गया है। समितियो द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक झांकिया निकाल कर शहर में घुमया जावेगा है। जिसमें काफी संख्या में क्षेत्रावासी एकत्रित होकर विसर्जन में सम्मिलित होकर झाकियो का आनंद लेते है। झांकी के दौरान शहर में काफी भीडभाड रहती है। गणेश उत्सव पर्व (झांकी) को शांतिपूर्वक सम्पन्न किये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अपर कलेक्टर सी एल मारकंडे, व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, एस डी एम खेम लाल वर्मा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन तथा थाना प्रभारीयों की उपस्थिति में जिला पंचायत कार्यालय के सभागृह में झांकी समितियो के सदस्यों की बैठक लिया गया। जिसमें झांकी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पदाधिकारियो तथाशहर के गणमान्य नागरिक गण के समक्ष, रोड के बीचो-बीच पंडाल ना लगने व झांकी निकालने के दिन रूट निर्धारण तथा साउंड सिस्टम को लेकर चर्चा हुई, जिस पर सभी समितियां के सदस्यों द्वारा गुरुद्वारा से मानव मंदिर,आजाद चौक,भारत माता चौक, कामठी लाइन,सुरजन गली, रामाधीन मार्ग, तिरंगा चौक होते हुए गंज चौक में झांकी समाप्त करने की बात को लेकर सहमति प्रदान किया गया तथा साउंड सिस्टम के लिए शासन प्रशासन के दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए झांकी निकालने के बात पर सहमति दिए,सुरक्षा संबंधित तथ्यो पर विचार किया गया।

स्ट्रीट लाईट की रौशनी में जुआ खेल रहे 6 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने सोमवार की रात फात्तेशाह मार्केट कब्रिस्तान के पास से जुआ खेल रहे 6 जुआरियों को गिरफ्तार आरोपियों के पास से 7900 रुपये नगद और 52 पत्ती ताश जब्त किया है। मामले में आरोपियसों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुंआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, 11 अगस्त 2025 को सिटी कोतवाली थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक (प्र.आर.) अपने ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात थे और क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रहे थे। रात करीब समय के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि ताज कूलर के बाजू,फात्तेशाह मार्केट कब्रिस्तान के पास कुछ लोग स्ट्रीट लाइट की रोशनी में ताश पत्ती से जुआ खेल रुपये-पैसे का हार-जीत का दांव लगा रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर प्रधान आरक्षक ने स्टॉफ और गश्त प्वाइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों को तत्काल अलर्ट किया तथा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर ताश पत्ती से जुआ खेल रहे छह लोगों को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में सभी ने जुआ खेलने और रुपये-पैसे का लेन-देन करने की बात कबूल की।

मामले में पुलिस ने मेहराब अली पिता रमजान अली, उम्र 50 वर्ष, निवासी मदरसे के सामने, शहीद हमीद नगर, विवेक कुमार निर्मलकर पिता हीरालाल निर्मलकर, उम्र 30 वर्ष, निवासी मदरसे के सामने, शहीद हमीद नगर, जलील खान पिता खलील खान, उम्र 46 वर्ष, निवासी राम मंदिर के पीछे, थाना भिलाई-3, जिला दुर्ग, मोहम्मद वसीम उर्फ राजा पिता मोह. वकील खान, उम्र 45 वर्ष, निवासी मोवा तालाब के पास मस्जिद के पास, पंडरी रायपुर, अनवर खान पिता दिलदार खान, उम्र 35 वर्ष, निवासी वालफ र्टेट के पीछे, भाठागांव, थाना पुरानी बस्ती, रायपुर, शेख मुश्ताक पिता शेख अब्दुल नजीन, उम्र 40 वर्ष, निवासी चांद आटा चक्की के पास, संजय नगर, थाना टिकरापारा, रायपुर को गिरफ्तार कर 7900 नकदी और 52 पत्ती ताश जब्त किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुंआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

लड़के-लड़कियों को ड्रग्स सप्लाई करने वाली महिला सहित तीन पेडलर्स गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर की एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा कोतवाली थाना पुलिस ने बूढ़ातालाब में लड़के-लड़कियों को ड्रग्स सप्लाई करने वाली महिला सहित 3 पेडलर्स को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत नेहरू नगर स्थित बूढ़ातालाब कंटेनर के पास 01 महिला एवं 02 व्यक्ति अपने पास मादक पदार्थ हेरोईन रखें है तथा बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम मोहम्मद जाहिद, साहिल रज़ा तथा अफजिया अख्तर उर्फ मेहक निवासी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनकी तलाशी लेने पर उनके पास से हेरोईन(चिट्टा) रखा होना पाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा महिला आरोपिया सहित कुल तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.42 ग्राम हेरोईन(चिट्टा) तथा घटना में प्रयुक्त 03 नग मोबाईल जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

मामले में पुलिस ने मोहम्मद जाहिद पिता मोहम्मद जाकिर उम्र 33 साल निवासी संजय नगर मदनी चौक गली थाना टिकरापारा रायपुर, साहिल रज़ा पिता अब्दुल हकीम उम्र 25 साल निवासी संजय नगर गौसिया चौक थाना टिकरापारा रायपुर तथा अफजिया अख्तर उर्फ मेहक उम्र 21 साल निवासी नेहरू नगर चाँदनी चौक सहीद हामिद नगर थाना कोतवाली रायपुर को गिरफ्तार किया है।

राजधानी में 15 लाख रुपये लूट की घटना निकली फर्जी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के देवेंद्र नगर में सोमवार को एक व्यापारी से 15 लाख रूपये लूटे जाने की घटना फर्जी निकली है। लूट की शिकायत दर्ज कराने वाले व्यापारी ने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। मामले में पुलिस अब कारोबारी चिराग जैन के खिलाफ कार्रवाई करेगी

राजधानी रायपुर में 15 लाख की लूट की सनसनीखेज कहानी अब पूरी तरह फर्जी निकली है। पंडरी थाना क्षेत्र में बोरवेल पाट्र्स के व्यापारी चिराग जैन द्वारा दर्ज कराई गई कथित लूट की शिकायत की सच्चाई सामने आ गई है। पुलिस जांच में पता चला कि यह पूरी घटना झूठी थी, जिसे कारोबारी ने अपने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए गढ़ा था। रायपुर एसपी लाल उमेद सिंह ने सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शिकायतकर्ता चिराग जैन अपने बयान बार-बार बदल रहा था, जिससे पुलिस को शक हुआ। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने खुद स्वीकार किया कि स्ट्ङ्क ट्रेडिंग में भारी नुकसान और कर्ज के दबाव में आकर उसने यह फर्जी कहानी बनाई।

गौरतलब है कि चिराग जैन ने 11 अगस्त को शिकायत दर्ज करवाई थी कि देवेंद्र नगर के सेक्टर-5 में उसे बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने रोककर 15 लाख रुपए कैश, सोने की चेन और अंगूठी लूट ली। इस शिकायत को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और 6 टीमें बनाकर शहर में नाकेबंदी कर दी। करीब 700 सीसीटीव्ही कैमरों की जांच भी की गई।

तस्करों को गांजा सप्लाई करने वाला उड़िसा से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत तस्करों को अवैध रूप से गांजा सप्लाई करने वाले आरोपी पुरस्तम को उड़ीसा से ढूंढकर जशपुर लाया गया तथा जेल भेजा गया है। पुलिस ने फरवरी में चौकी कोतबा क्षेत्र में 98 किलो गांजा के साथ एक आरोपी को पकड़ा था, उसी की निशानदेही पर पुलिस गांजा सप्लायर तक पहुंची और गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 16.02.25 को चौकी कोतबा पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली थी कि, कुछ व्यक्ति सफेद रंग की मारुति ब्रेजा कार क्रमांक सीजी10बीई3848 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का परिवहन कर उड़ीसा राज्य से होते हुए ग्राम ग्राम बुलडेगा, राजाआमा होते हुए लुड़ेग की ओर जा रहे हैं। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर पुलिस की टीम के द्वारा घेरा बंदी कर ग्राम राजाआमा में आरोपी चैतन्य यादव उम्र 27 वर्ष निवासी बरखुरिया, थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ (छ. ग) के कब्जे से 98 किलो 600 ग्राम अवैध गांजे को बरामद किया गया था, व आरोपी चैतन्य यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी चैतन्य यादव से मालूम चला था कि उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा को वह उड़िसा निवासी आरोपी पुर स्तम बारीक से खरीदा था , अत: जशपुर पुलिस के द्वारा आरोपी चैतन्य यादव के निशानदेही पर, आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक की लगातार पतासाजी की जा रही थी, जिसके लिए पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया था व पुलिस की टेक्निकल टीम की भी मदद ली जा रही थी, पुलिस की टेक्निकल टीम के द्वारा आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक को लगातार ट्रेस किया जा रहा था साथ ही पुलिस उसके छिपने की संभावित ठिकानों पर भी दबिश दे रही थी, परंतु पुरस्तम बारीक, इतना शातिर था कि बार बार अपना ठिकाना बदल रहा था। इसी दौरान पुलिस को टेक्निकल टीम की मदद से पता चला कि आरोपी गांजा सप्लायर पुरस्तम बारीक उड़ीसा राज्य में अपने ग्राम टटरकिला में देखा गया है, जिस पर पुलिस की टीम के द्वारा ग्राम टीटरकिला (उड़ीसा) जाकर, आरोपी के घर की घेरा बंदी कर आरोपी पुरस्तम बारीक को हिरासत में ले कर कर वापस लाया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी पुरस्तम बारीक उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम टटरकिला , थाना बानसुनी , जिला बोधा,(उड़ीसा) के द्वारा अपराध स्वीकार करते हुए बताया गया कि, उसका पूर्व में गिरफ्तार आरोपी चैतन्य यादव के साथ व्हाट्स एप के माध्यम से बातचीत होती थी, बातचीत के दौरान, उसी के द्वारा ही चैतन्य यादव को अवैध रूप से गांजा उपलब्ध कराया गया था। पुलिस की पूछताछ पर अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर आरोपी पुरस्तम बारीक उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम टटरकिला , थाना बानसुनी , जिला बोधा,(उड़ीसा) को पुलिस के द्वारा विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक बृजेश यादव , आरक्षक बूटा सिंह, अभय चौबे व पुस्तम यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर अनिल कुमार सोनी ने कहा कि चौकी कोतबा क्षेत्रांतर्गत एक गांजा तस्करी के मामले में, पुलिस ने बहुत ही प्रोफेशनल तरीके से एक गांजा सप्लायर को उड़ीसा से हिरासत में लेकर, गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक-4531/व.ले.लि./NIT-05/2025-26 बालोद दिनांक 11/08/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 27/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 08/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 09/09/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि बैंक साल्वेंसी
1	2	3
05 T0024	लो.नि.वि. अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत जिला एवं सत्र न्यायालय भवन में स्थित अधिवक्ता कक्ष का मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	1.52 1520.00 22800.00

नियम व शर्तें:-

1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति 5) निविदाकारों की श्रेणी ''द'' से ''अ'' निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रु. 750.00 एवं कार्य की अवधि ''02 माह'' होगी।

जी-252602756/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद संभाग बालोद

मुख्यमंत्री साय की पहल पर छत्तीसगढ़ को मिली डीएपी और यूरिया के अतिरिक्त आबंटन की मंजूरी

छत्तीसगढ़ को सप्लाई प्लान के अतिरिक्त डीएपी और यूरिया के 50-50 हजार टन आबंटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर केन्द्रीय रासायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को यूरिया और डीएपी खाद की अतिरिक्त आबंटन की मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि केन्द्रीय रासायन एवं उर्वरक मंत्री से दिल्ली में कृषि मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सांसदों ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ राज्य को यूरिया और डीएपी खाद की आपूर्ति के संबंध में चर्चा की। कृषि मंत्री नेताम और सांसदों ने राज्य के किसानों को खरीफसीजन में रोपा-ब्यासी के समय पड़ने वाले खाद की अतिरिक्त आवश्यकता की जानकारी देते हुए उनसे खरीफसीजन के लिए छत्तीसगढ़ को निर्धारित सप्लाई प्लान के अतिरिक्त 50-50 हजार टन यूरिया और डीएपी खाद आबंटित किए जाने का आग्रह किया है। केन्द्रीय मंत्री नड्डा इस पर छत्तीसगढ़ को अतिरिक्त खाद उपलब्ध कराने उर्वरक मंत्रालय अधिकारियों को निर्देशित किया।

केन्द्रीय उर्वरक मंत्री नड्डा से मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री नेताम और लोकसभा सांसद सर्वश्री संतोष पाण्डेय, विजय बघेल, कमलेश जांगड़े और रूपकुमारी चौधरी और राज्यसभा सांसद देवेन्द्र बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़ मार्कफेड प्रबंध संचालक किरण कौशल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में यूरिया और डीएपी खाद की आपूर्ति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के किसान मुख्य रूप से धान की फ़सल लेते हैं। खरीफसीजन में किसान अगस्त-सितंबर माह में रोपा-बियासी का कार्य करते हैं। वर्तमान में रोपा-बियासी का काम तेजी से चल रहा है। इस समय धान के पौधों को तेजी से बढ़वार और बेहतर उत्पादन के मद्देनजर किसानों को इस समय ज्यादा फोस्फेटिक खाद की जरूरत पड़ती है। कृषि मंत्री नेताम और सांसदों ने केन्द्रीय उर्वरक मंत्री को बताया कि सप्लाई प्लान के अनुसार छत्तीसगढ़ को माह जुलाई तक यूरिया की 5.99 लाख तथा डी.ए.पी. की 2.68 लाख मेट्रिक टन आपूर्ति निर्धारित थी जिसके विरूद्ध यूरिया की 4.63 लाख तथा डी.ए.पी. की 1.61 लाख मेट्रिक टन मात्रा राज्य को प्राप्त हुई है। माह अगस्त के लिए यूरिया की 57,600 मेट्रिक टन तथा डी.ए.पी. की 36,850 मेट्रिक टन का सप्लाई प्लान निर्धारित है। चूंकि इन उर्वरकों की सर्वाधिक आवश्यकता अगस्त माह में होती है। इसलिए निर्धारित सप्लाई प्लान के अतिरिक्त यूरिया तथा डी.ए.पी. की 50-50 हजार मेट्रिक टन अतिरिक्त मात्रा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

खरीफ सीजन में खाद भंडारण एवं वितरण

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खरीफवर्ष 2025 में भारत सरकार द्वारा उर्वरक यूरिया-07 लाख 12 हजार मेट्रिक टन, डी.ए.पी. 03 लाख 10 हजार मेट्रिक टन तथा एम.ओ.पी.-60 हजार मे.टन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध 11 अगस्त तक 06 लाख 72 हजार मे.टन यूरिया, 02 लाख 14 हजार मे.टन डी.ए.पी. तथा 80 हजार मे.टन एम.ओ.पी. का भण्डारण किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि डी.ए.पी. के प्रतिस्थापन के संबंध में वैकल्पिक उर्वरकों के रुप मेंएन.पी.के. 01 लाख 80 हजार मे.टन लक्ष्य के विरुद्ध 02 लाख 37 हजार मे.टन एवं एस.एस.पी. 02 लाख मे. टन लक्ष्य के विरुद्ध 02 लाख 95 हजार मे.टन का भण्डारण किया गया है। इसी प्रकार डी.ए.पी. की कमी की पूर्ति एन.पी.के एवं एस.एस.पी. उर्वरकों से की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने पैर पखारकर दिया सम्मान, भावुक हुईं स्वच्छता दीदियां, बोली- जीवन में पहली बार इतना गर्व महसूस हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में स्वच्छता दीदियों के पैर पखारे, तो यह सम्मान पाकर स्वच्छता दीदियां भावुक हो उठीं। हजारों लोग इस भावुक और प्रेरक क्षण के साक्षी बने। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों की स्वच्छता दीदियों को एक अनूठे तरीके से सम्मानित किया।

सम्मानित हुईं स्वच्छता दीदियों ने अपने इस गौरवपूर्ण क्षण के लिए मुख्यमंत्री श्री साय और उप मुख्यमंत्री साव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। स्वच्छता दीदियों को सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वच्छता दीदियां और स्वच्छता कमांडोज़ स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका कार्य केवल सफ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान है, जिसमें उनके प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से समाज में साफ-सफाई के कार्यों के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ेगी।

मंच पर सम्मानित हुईं विश्रामपुर की स्वच्छता दीदी पुनीता बाई और कुम्हारी की रानू देवांगन ने कहा कि समाज में अक्सर साफ-सफ़ाई के कार्यों को हेय दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन आज मुख्यमंत्री द्वारा पैर पखारकर किया गया यह सम्मान हमारे लिए गर्व का विषय है। यह हमारे परिश्रम, निष्ठा और लगन का सच्चा पुरस्कार है। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के सहयोग से न केवल हमारे कार्य को पहचान मिली है, बल्कि हमारे नगरीय निकायों को सर्वेक्षण में उत्कृष्ट स्थान भी प्राप्त हुआ है।

बिल्हा की पूजा राठौर और दंतेवाड़ा की वसु राज ने बताया कि वे पिछले आठ वर्षों से इस कार्य से जुड़ी हैं, लेकिन आज जीवन में पहली बार इतना गौरवपूर्ण क्षण आया है। स्वच्छता दीदी शारदा सोनी और किरण सिंह ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आत्मीय आभार प्रकट किया।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने की केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख एल मंडाविया से मुलाकात

ईएसआईसी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना हेतु की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख एल मंडाविया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मंत्री देवांगन ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल मंडाविया से छत्तीसगढ़ में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की नर्सिंग कॉलेज की स्थापना हेतु अनुरोध पत्र सौंपा ।

उन्होंने बताया की राज्य बीमा अधिनियम की धारा 59 (बी) के तहत निगम अपने द्वारा प्रदाय किये जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं की बेहतरी के लिए चिकित्सा महाविद्यालय के अतिरिक्त नर्सिंग कॉलेज की स्थापना कर सकता है।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित होने की दिशा में अग्रसर राज्य है। नर्सिंग कॉलेज की स्थापना से श्रमिकों की चिकित्सा सुविधाएं

बढ़ेंगी। साथ ही बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए आरक्षित सीटों पर प्रवेश भी मिल सकेगा। इसके अलावा प्रदेश में संचालित श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के सबंध में भी विस्तृत चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मंत्री देवांगन ने कोरबा ईएसआईसी अस्पताल में रिक्त पदों पर जल्द स्वीकृति हेतु की मांग कोरबा के ईएसआईसी अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए श्रम मंत्री देवांगन द्वारा पिछली बार केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्रमवार जानकारी दी थी।

इसके उपरांत ईएसआईसी अस्पताल के डॉक्टर और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों के लिए आदेश जारी हुआ था। मंत्री देवांगन ने डॉक्टरो और अन्य स्टॉफ की भर्ती की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कर स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने का भी अनुरोध किया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने एड्स जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रति वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य मे एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अपने निवास कार्यालय से दो एचआईवी एड्स जागरूपता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जागरूकता अभियान के दौरान राज्य से 19 ऐसे जिले जहां एचआईवी के प्रति कम जागरूकता है वहां हर जिले में दो-दो जागरुकता वाहन को रवाना किया गया है। इन जिलों के सभी हाई तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में भी एचआईवी को लेकर जागरूकता फैलाने का काम किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए सभी जिलों में कला जत्था दलों द्वारा भी जागरूकता फैलाने का काम किया जाएगा। इसके साथ ही पूरे प्रदेश के निजी एवं शासकीय कालेजों में भी इस अभियान को शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य को एचआईवी पाजिटिव फ्री बनाने के उद्देश्य से दो अक्टूबर को राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में एचआईवी संक्रमितों से भेदभाव न करने हेतु शपथ लेने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 5 हजार ग्राम पंचायतों में काउंसिलिंग के द्वारा परामर्शदाताओं द्वारा संवेदीकरण का कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है और इसके साथ ही 70 इंटीग्रेटेड हैल्थ कैम्प के माध्यम से भी लोगों को जरूरी जांच सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

उन्होंने जानकारी दी है कि राज्य में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के लिए 8 एआरटी केंद्र और 15 लिंक एआरटी केंद्र खोले गए हैं ताकि लोगों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिल सके। वर्तमान में लगभग 20 हजार लोगों को नि:शुल्क एआरटी दवाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं।

तिरंगा रैली में शामिल हुईं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

देशभक्ति के माहौल में गूंजे 'वंदे मातरम और 'भारत माता की जय' के नारे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी का अमृत महोत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सूरजपुर में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कलेक्ट्रेट परिसर से रंगमंच तक आयोजित इस पैदल रैली में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर देशभक्ति का संदेश दिया। रैली के दौरान मंत्री राजवाड़े ने हाथ में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने उद्बोधन में कहा कि आजादी हमें अनगिनत बलिदानों के बाद मिली है, इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की अखंडता, एकता और गौरव की रक्षा करे। उन्होंने सभी से अपील की कि तिरंगा केवल उत्सव का प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और प्रेरणा का स्रोत है।

इस अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक भुलन सिंह मरावी, कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले समेत

जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

रैली के दौरान शहर के मुख्य मार्ग देशभक्ति के नारों से गूंज उठे। स्कूली बच्चों, महिला समूहों और युवा स्वयंसेवकों ने तिरंगा लहराकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम का समापन रंगमंच में राष्ट्रगान के साथ हुआ, जहां सभी उपस्थित जनों ने तिरंगे के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई।

मुख्यमंत्री साय ने छात्रों का बढ़ाया उत्साह, मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

सीपत-नवाडीह चौक का नामकरण शहीद विनोद सिंह कौशिक के नाम पर करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बिलासपुर में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित शहीद विनोद सिंह कौशिक मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है और उनकी मेहनत, लगन एवं संकल्प से प्रदेश और देश नई ऊँचाइयों को छुएंगे।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह अवसर अत्यंत गर्व और उत्साह का है, जब हम अपनी नई पीढ़ी के होनहार, परिश्रमी और प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन शहीद विनोद सिंह कौशिक की स्मृति में विगत तीन वर्षों से हो रहा है और यह कार्यक्रम समूचे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को आगे बढ़ने और कुछ नया करने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद विनोद सिंह कौशिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि वीर सपूत शहीद विनोद सिंह कौशिक माओवादियों से लड़ते हुए वर्ष 2018 में नारायणपुर में शहीद हो गए थे। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने हेतु उनकी स्मृति में न्यास का गठन किया गया है और इसके माध्यम से प्रतिभाओं का सम्मान किया जाना अनुकरणीय पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम मार्च 2026 तक नक्सली आतंक को समाप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं। केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। लगातार नक्सल ऑपरेशनों में सफलता मिल रही है, करोड़ों के इनामी नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस सम्मान समारोह के माध्यम से हम केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों का ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य निर्माता बच्चों का भी सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपने जो उपलब्धि हासिल की है, उसमें नि:संदेह आपकी मेहनत है, लेकिन इसके पीछे परिवार, गुरुजनों और समाज का भी अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि राज्य में ही सभी उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने, निरंतर मेहनत करने और सकारात्मक सोच बनाए रखने का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वीर सपूत शहीद विनोद सिंह कौशिक को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप जीवन के ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं, जहाँ से भविष्य की दिशा तय होती है। आपके प्रयासों से न केवल आपका, बल्कि देश और प्रदेश का उज्ज्वल भविष्य निर्माण होगा। आपके सपनों के साथ आपके माता-पिता, शिक्षक और रिश्तेदारों की उम्मीदें भी जुड़ी हुई हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए समर्पित भाव से निरंतर मेहनत करें। साव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'डिप्रेशन' और 'निराशा' जैसे शब्द अपनी डिक्शनरी से हमेशा के लिए हटा दीजिए, क्योंकि निराश व्यक्ति कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ें।

इस अवसर पर विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धरमजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, महापौर पूजा विधानी, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष राजेश पांडे, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950